Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 52 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, मंगलवार 25 अगस्त 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

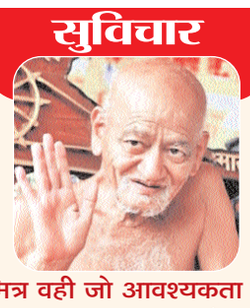

मित्र वही जो आवश्यकता के समय काम आता है।

A friend in need is a friend in deed.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

सावन के आखिरी सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

■ **वाराणसी से उज्जैन तक भक्तों की भारी भीड़**

वाराणसी। सावन के पावन महीने के आखिरी सोमवार के अवसर पर देशभर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। भक्त भगवान शिव का जलाभिषेक और विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर सुख-समृद्धि एवं खुशहाल जीवन की कामना कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए प्रमुख शिव मंदिरों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

वाराणसी, उज्जैन से लेकर पुरी तक शिवालयों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा हुआ है। वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम में सोमवार तड़के से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचने लगे। देश के विभिन्न हिस्सों से आए भक्त बाबा विश्वनाथ के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए लंबी कतारों में अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था की गई है। मंदिर परिसर को रुद्राक्ष और फूलों से खूबसूरती से सजाया गया है। वाराणसी के जिला मजिस्ट्रेट सत्येंद्र कुमार ने बताया कि बड़ी संख्या में भक्त शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए आ रहे हैं। उन्होंने कहा, सुबह के सिर्फ5 बजे होने के बावजूद, 60,000 से ज्यादा भक्तों ने काशी विश्वनाथ के दर्शन किए। मध्य प्रदेश के उज्जैन में, भक्त खास पूजा-पाठ में शामिल होने के लिए महाकालेश्वर मंदिर पहुंच रहे हैं। एक श्रद्धालु ने कहा, सावन का आखिरी सोमवार मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि मुझे सुबह-सुबह महाकाल की भस्म आरती देखने का मौका मिला।

उत्तर प्रदेश के एटा में कैलाश मंदिर में भारी भीड़ है। भक्त भगवान शिव का जलाभिषेक कर रहे हैं। गुजरात के अहमदाबाद में, सावन के दौरान खास पूजा के लिए सरदारनगर के एक शिव मंदिर में भक्त जमा हुए। रुद्राभिषेक समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें भक्तों ने पवित्र अनुष्ठानों में भाग लिया। बिहार के मुजफ्फरपुर में, बाबा गरीब नाथ धाम में भी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। वहीं, बिहार के बक्सर में, जिला मजिस्ट्रेट साहिला और पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने रामरेखा घाट से बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर तक कांवड़िया मार्ग पर इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। एक भक्त ने बताया कि बक्सर भर से लोग अपनी मन्नतें लेकर आए थे और बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए लंबी कतारों में खड़े थे। ओडिशा के पुरी में, सावन के आखिरी सोमवार को हजारों कावड़िया भक्तों ने महाप्रभु श्री जगन्नाथ दर्शन किए। भक्तिपूर्ण माहौल में मंदिर के कपाट खुलने की रस्म 'द्वारा फीता नीति' पूरी की गई।

नए सिम कार्ड नियम आज से लागू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के दूरसंचार विभाग की ओर से जारी किए गए नए सिम कार्ड नियम सोमवार से लागू हो गए हैं। इसके तहत कोई यूजर अपने नाम पर अधिकतम 9 मोबाइल कनेक्शंस रख सकता है। वहीं, कुछ इलाकों जैसे जम्मू एंड कश्मीर, असम और उत्तर-पूर्व के लिए यह सीमा छह निर्धारित की गई है। दूरसंचार विभाग की ओर से जारी सर्कुलर में टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे ग्राहकों की पहचान करें, जिनके पास पहले से ही निर्धारित सीमा के करीब मोबाइल कनेक्शन हैं और जानकारी दें कि नए नियमों के तहत अब वे नया कनेक्शन नहीं ले सकते हैं।

दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर बुलडोजर एक्शन, हटाए गए बैरिकेड्स, इस्लामाबाद को जवाब

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर भारतीय अधिकारियों ने सुरक्षा घेरे के रूप में लगाए गए ट्रैफिक बोलार्ड और बैरिकेड्स हटा दिए हैं. यह कदम ऐसे समय उठाया गया है. यह कार्रवाई केवल आधिकारिक सीमा से बाहर सार्वजनिक गलियारे में बने अनधिकृत ढांचों पर की गई है। मुख्य उच्चायोग भवन सुरक्षित है।

जब पाकिस्तान ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय मिशन के बाहर लगाए गए अवरोधकों को हटाया है. अधिकारियों की कार्रवाई के बाद दोनों देशों के राजनयिक परिसरों के बाहर सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव देखने को मिला है. इसे भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक स्तर पर हुए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है. फिलहाल इस कदम पर दोनों देशों की ओर से कोई विस्तृत आधिकारिक टिप्पणी सामने नहीं आई है, लेकिन इसकी चर्चा कूटनीतिक हलकों में हो रही है।

यह कदम पाकिस्तान द्वारा इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के बाहर से पार्किंग पोल और सुरक्षा बैरिकेड्स हटाए जाने के तीन दिन बाद 'जैसे को तैसे' (Tit-for-tat) की कार्रवाई के रूप में उठाया गया है

भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों के दौरान इस तरह की पारस्परिक प्रशासनिक कार्रवाइयां पहले भी होती रही हैं. अतीत में दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिक मिशनों में कर्मचारियों की संख्या कम करने, पहुंच संबंधी प्रतिबंध लगाने और प्रशासनिक नियंत्रण कड़े करने जैसे कदम उठाए हैं.

एजेंसियों ने जेसीबी मशीन की मदद से कार्रवाई करते हुए परिसर के बाहर वाली गली में बनाए गए ढांचों और बैरिकेड्स को हटा दिया. इनमें वीजा सेक्शन के पास कतार प्रबंधन (Queue Management) के लिए लगाए गए ढांचे भी शामिल थे।

मलबे के बीच वीजा सेक्शन अब भी दिखाई दे रहा था. वहां मौजूद खिड़कियों पर 'Window 1', 'Pakistani Passport Only' और 'Window-5 / Collection of Visa Applications' जैसे बोर्ड लगे हुए थे।

- Kamal Nain Narang

हमारी सरकार छात्र हितैषी सरकार है : जायसवाल

■ **मंत्री श्री जायसवाल ने कहा : काउंसलिंग की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और मेरिट के आधार पर की जाएगी**

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज रायपुर स्थित अपने निवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान NEET UG 2026 की छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय काउंसलिंग को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए कहा कि राज्य सरकार का संकल्प स्पष्ट है कि 'छत्तीसगढ़ के एक भी पात्र विद्यार्थी के हक की सीट प्रभावित न हो।' छत्तीसगढ़ के स्थानीय पात्र विद्यार्थियों के हितों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और नियमानुसार संपादित की जाएगी।

मंत्री श्री जायसवाल ने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ राज्य कोटे की सभी सीटों पर छत्तीसगढ़ के मूल निवासी और पात्र विद्यार्थियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। बाहरी राज्य के या अपात्र लोगों को किसी भी स्थिति में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि फर्जी निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र या किसी भी प्रकार की गलत जानकारी देकर प्रवेश लेने का प्रयास करने वालों के दस्तावेजों का सूक्ष्मता से सत्यापन किया जाएगा। ऐसे मामलों में नियमानुसार कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और प्रवेश निरस्त किया जाएगा।

मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि इस बार काउंसलिंग की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और मेरिट के आधार पर की जाएगी। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या सिफारिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि हमारी सरकार छात्र हितैषी सरकार है। पिछले वर्षों में जिस तरह फर्जी तरीके से सीटें हथियाने की शिकायतें आती थीं, उस पर अब पूरी तरह अंकुश लगा दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम हर दस्तावेज का भौतिक सत्यापन करेगी।

जनआशीर्वाद से अभिभूत हुई पंडरिया विधायक भावना बोहरा

■ **जन्मदिन पर बधाई देने रणवीरपुर में उमड़ा हजारों लोगों का जनसैलाब**

कवर्धा (विश्व परिवार)। पंडरिया विधानसभा की विधायक भावना बोहरा के जन्मदिन के अवसर पर सोमवार को क्षेत्र में उत्साह, आत्मीयता और जनस्नेह का अभूतपूर्व वातावरण देखने को मिला। सुबह से ही पंडरिया विधानसभा सहित कबीरधाम जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, युवा, महिलाएं, वरिष्ठजन एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उन्हें शुभकामनाएं देने पहुंचे। ग्राम रणवीरपुर में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 10000 से अधिक लोगों की सहभागिता ने जन्मदिन समारोह को जनआशीर्वाद के एक बड़े उत्सव में बदल दिया।

जन्मदिन के अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने टीम हरीतिमा व भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ कवर्धा स्थित महादेव एवं खेड़ापति हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन कर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, प्रदेशवासियों के स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन तथा पंडरिया विधानसभा की उन्नति की कामना की। उन्होंने कवर्धा स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर वरिष्ठजनों के साथ समय बिताया, उनका कुशलक्षेम जाना और फल वितरित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद रणवीरपुर जाते समय कबीरधाम जिला भाजपा कार्यालय, उड़ियाखुर्द, सहसपुर लोहारा, सिल्हाटी मोड़, विचारपुर, सिंगारपुर, रणजीतपुर, जमुनिया सहित विभिन्न स्थानों पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने आत्मीय स्वागत किया।

शिक्षक दिवस पर उच्च शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों को सम्मानित करेंगी राष्ट्रपति

■ **देश के आईआईटी, आईआईएसईआर, विश्वविद्यालयों, मेडिकल संस्थानों और पॉलिटेक्निक संस्थानों के शिक्षक शामिल**

नई दिल्ली। देश में उच्च व तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 21 शिक्षकों और संकाय सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में इन शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान करेंगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस बार पुरस्कार की खास बात यह है कि इसमें देश के आईआईटी, आईआईएसईआर, विश्वविद्यालयों, मेडिकल संस्थानों और पॉलिटेक्निक संस्थानों के शिक्षक शामिल हैं। यानी उच्च शिक्षा में पढ़ाने के साथ शोध, नवाचार और समाज तक शिक्षा की पहुंच बनाने वाले शिक्षकों को भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दी गई है। इस वर्ष चुने गए 21 शिक्षकों में 12 केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थानों, 5 राज्य विश्वविद्यालयों और 4 पॉलिटेक्निक संस्थानों से हैं। केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थानों से चुने गए शिक्षकों में आईआईटी रुड़की की प्रो. अवलोकिता अग्रवाल आईआईटी हैदराबाद की प्रो. कीर्ति चंद्र साहू, बिट्स पिलानी की प्रो. विनय चमोला, आईआईटी भुवनेश्वर से डॉ. श्रीकांत गोल्लापुड़ी, आईआईटी गांधीनगर से डॉ. मिथुन राधाकृष्ण व आईआईएसईआर भोपाल से प्रो. सौरव दत्ता का चयन किया गया है।

वहीं, आईआईटी बॉम्बे के प्रो. विक्रम विशाल, राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधीनगर के प्रो. सरवैया जयराजसिंह इंद्रजीत सिंह, आईआईटी कानपुर प्रो. के शंकर प्रसाद रथ, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय से डॉ. मनीषा निगम व जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज वर्धा के डॉ. अमर मोहनराव ताकसांडे भी इस सम्मान के लिए चुने गए हैं। इनके अलावा राज्य विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 3 सरकारी और 2 निजी संस्थानों के शिक्षकों का चयन हुआ है।

चंडीगढ़ में आईईडी धमाके की बड़ी साजिश नाकाम

चंडीगढ़। चंडीगढ़ पुलिस ने बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए बब्बर खालसा इंटरनेशनल के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस के ऑपरेशन सेल ने केंद्रीय एजेंसी के साथ संयुक्त कार्रवाई में बीकेआई के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से करीब 6 किलोग्राम जिलेटिन स्टिक विस्फोटक, डेटोनेटर, पावर सोर्स, रिमोट से चलने वाला सिस्टम और एक पिस्तौल बरामद की गई है। चंडीगढ़ के डीजीपी सागरप्रीत हुड्डा और आईजी पुष्पेंद्र के मार्गदर्शन में तथा डीआईजी राजीव रंजन और एसपी ऑपरेशंस अनुराग दारू की देखरेख में यह कार्रवाई की गई। ऑपरेशन सेल की टीम का नेतृत्व डीएसपी ऑपरेशंस रणजोध सिंह और इंस्पेक्टर सतविंदर सिंह कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक विदेश में बैठे बीकेआई हैंडलर्स की ओर से रची गई इस साजिश का मकसद चंडीगढ़ में भीड़भाड़ वाली जगह पर आईईडी धमाका कर दहशत फैलाना था।

नितिन नवीन ने ली नवनियुक्त सोशल मीडिया टीम की बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में नवनियुक्त सोशल मीडिया टीम के पदाधिकारियों की बैठक ली।

बैठक के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नवीन ने संगठन के डिजिटल संचार को और अधिक प्रभावी बनाने, जन-जन तक पार्टी के विचारों और कार्यों को पहुँचाने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से जनसंवाद को और अधिक सशक्त करने की दिशा में विस्तार से मार्गदर्शन दिया।

इस अवसर पर बैठक में सोशल मीडिया के नवनियुक्त राष्ट्रीय संयोजक दीपक म्हस्के, निवर्तमान राष्ट्रीय संयोजक अमित मालवीय, नवनियुक्त राष्ट्रीय सह-संयोजक श्रीमती प्रीति गांधी, शिवानन्द द्विवेदी, आलोक भट्ट व अरुण यादव सहित सोशल मीडिया विभाग के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम मोदी 'खेलो इंडिया संवाद' के माध्यम से देशभर के 8 लाख युवाओं को करेंगे संबोधित

■ **'युवा भागीदारी, खेल विकास और राष्ट्र निर्माण' थीम के तहत 1,600 केंद्रों पर एक साथ जुड़ेंगे युवा**

रायपुर (विश्व परिवार)। महान हॉकी जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के खेल विभाग के अंतर्गत आने वाले 'मेरा युवा भारत' (MY Bharat) के तत्वावधान में राष्ट्रव्यापी 'खेलो इंडिया संवाद' (खेल की बात पीएम के साथ) कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय पहल की रूपरेखा और उद्देश्यों को रेखांकित करने के लिए सोमवार को माई भारत के राज्य कार्यालय, रायपुर में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस वर्ष यह राष्ट्रव्यापी समारोह 27 अगस्त 2026 को 'युवा भागीदारी, खेल विकास और राष्ट्र निर्माण' की मूल थीम के तहत आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य देश के युवाओं, खेल हस्तियों और भावी कर्णधारों को एक साझा राष्ट्रीय मंच पर जोड़ना है।

वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे और देशभर के 8 लाख से अधिक युवा प्रतिभागियों व खिलाड़ियों से एक साथ जुड़ेंगे। एक एकीकृत राष्ट्रीय मंच सुनिश्चित करने के लिए, यह कार्यक्रम देश के प्रत्येक जिले के दो प्रमुख महाविद्यालयों में आयोजित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को गहराई से जोड़ना, खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देना और देश के भविष्य को आकार देने में युवा पीढ़ी की भूमिका को सशक्त बनाना है।

कार्यक्रम का मुख्य फोकस 'युवा कनेक्ट' के माध्यम से स्थानीय स्तर पर युवाओं के संवाद पर केंद्रित रहेगा। युवा प्रतिभागियों को स्थानीय खेल हस्तियों, सांसदों, विधायकों और जन-प्रतिनिधियों के साथ सीधे संवाद करने का अनूठा अवसर मिलेगा। इन चर्चाओं के माध्यम से पिछले 12 वर्षों में भारत के खेल इकोसिस्टम के विस्तार और ग्रासरूट स्तर के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन में आए व्यापक सकारात्मक बदलावों को रेखांकित किया जाएगा।

झाड़-फूंक और नौकरी के नाम पर रेप-ठगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अभनपुर में झाड़-फूंक के नाम पर महिला से रेप और सीएमओ पद पर नौकरी लगाने का झांसा देकर 44.42 लाख रुपए की ठगी की गई है। करीब 7 साल पुरानी इस घटना में पीड़िता ने अब अभनपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मध्य प्रदेश के सागर निवासी आरोपी आशाराम चौधरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के मुताबिक, साल 2019 में वह सिरदर्द की समस्या से परेशान थी। इसी दौरान उसकी पहचान मध्य प्रदेश के सागर निवासी आशाराम चौधरी से हुई। आरोपी झाड़-फूंक के जरिए उसका इलाज करने का दावा करता था। महिला उस समय सीएमओ पद की परीक्षा देने वाली थी। आरोप है कि आरोपी ने महिला को सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा दिया। उसने दावा किया कि वह ट्रस्ट पद पर उसकी नौकरी लगवा सकता है।

छत्तीसगढ़ में 31 आईपीएस अफसरों का ट्रांसफर

■ **जीपी सिंह पुलिस अकादमी के डीजी बनाए गए**

■ **काबरा को रेल-ट्रैफिक की भी जिम्मेदारी**

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार ने 31 आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। इनमें वरिष्ठ अधिकारियों के प्रभार बदले गए हैं। डीजी पवन देव का विभाग भी बदला गया। डीजी पवन देव (1992) को अध्यक्ष एवं प्रबंध संचालक, छग पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन, रायपुर से नगरसेना, नागरिक सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाओं का महानिदेशक बनाया गया है। वहीं 1994 बैच के एसआरपी कल्लूरी को छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन का प्रबंध संचालक बनाया गया है। गुरजिंदर पाल (जीपी) सिंह को महानिदेशक प्रशिक्षण के साथ राज्य पुलिस अकादमी के महानिदेशक की जिम्मेदारी दी गई है। प्रदीप गुप्ता को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशासन एवं चयन) बनाया गया है।

आईपीएस अजातशत्रु बहादुर सिंह (2011 बैच) को पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर में गुप्तवार्ता और विशेष शाखा के डीआईजी पद से हटाकर नगर सेना, एसडीआरएफ और अग्निशमन सेवाओं के डीआईजी व निदेशक की जिम्मेदारी दी गई है। बता दें कि 6 दिन पहले ही 22 आईएएस अधिकारियों और एक आईएफएस अधिकारी का तबादला किया गया था। इसमें 6 जिलों के कलेक्टर भी बदले गए थे। 1997 बैच के आईपीएस दीपांशु काबरा को वर्तमान जिम्मेदारियों के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रेल और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यातायात का प्रभार दिया गया है। वहीं विवेकानंद को वर्तमान काम के साथ वित्त, योजना एवं प्रबंध का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अमित कुमार को वर्तमान जिम्मेदारी के साथ एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। डॉ. आनंद छाबड़ा को तकनीकी सेवाएं, डायल-112 और दूरसंचार की जिम्मेदारी दी गई है।

ओमप्रकाश पाल को पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिरीक्षक कानून व्यवस्था/सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं अंकित कुमार गर्ग को राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला के संचालक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। शासन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सभी अधिकारियों को आगामी आदेश तक नई पदस्थापना पर अस्थायी रूप से पदस्थ किया गया है।

मुख्यमंत्री साय के साथ संवाद महोत्सव में शामिल हुए विधायक पुरन्दर मिश्रा

■ **स्वच्छ ऊर्जा के संकल्प के साथ संवाद महोत्सव में शामिल हुए विधायक पुरन्दर मिश्रा**

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ सोलर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'संवाद महोत्सव 2026' के समापन समारोह में उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा जी प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के साथ सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर माननीय सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल जी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में सौर ऊर्जा, स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक संवाद हुआ। विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। छत्तीसगढ़ भी सौर ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ते हुए आत्मनिर्भर और ऊर्जा-सक्षम राज्य बनने की दिशा में अग्रसर है।

उन्होंने 'संवाद महोत्सव 2026' के सफल आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ सोलर वेलफेयर एसोसिएशन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन नई सोच, नवाचार और जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के साथ प्रदेश के उज्ज्वल एवं हरित भविष्य की मजबूत नींव तैयार करते हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी का 5 सितंबर को फिर दिल्ली मार्च

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी 5 सितंबर को दिल्ली में विरोध मार्च निकालेगी। पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार ने 25 जुलाई को युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किया है। इन्हीं वादों के भरोसे पर जंतर-मंतर का प्रदर्शन वापस लिया गया था। मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। इसमें उन स्टूडेंट्स के परिजन भी शामिल होंगे, जिन्होंने नीट पेपर लीक के बाद सुसाइड किया था। इससे पहले सीजेपी ने 20 जुलाई को भी जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सोमवार को सीजेपी ने अपनी वर्किंग कमेटी की वर्चुअल मीटिंग के बाद यह फैसला लिया। पार्टी ने कहा कि सरकार ने कहा था कि छात्रों पर दर्ज केस खत्म होंगे, पर ऐसा नहीं हुआ। उन्हें हमारे धैर्य को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। सीजेपी ने नीट पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी की मांगों को लेकर 20 जून से जंतर-मंतर पर आंदोलन शुरू किया था।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34760/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34760
वार्ड का नाम-19- डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 19 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802B00187** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SADHNA RAHULKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE PRAKASH RAHULKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ATUL RAHULKAR AND AMIT TAHULKAR DONO S/O LT. PRAKASH RHAULKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. PRAKASH RAHULKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./22192/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 02-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 22192
वार्ड का नाम- 52 -डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446S00653** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **M/S SAI DEVELOPERS DWARA ASHISH RAMNANI, ANSHUL RAMNANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **M/S SAI DEVELOPERS DWARA-ASHISH RAMNANI, ANSHUL RAMNANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती निधी सिंह** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति श्री विक्रांत सिंह बघेल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानंद दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./4191/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 19-07-2023

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 4191
वार्ड का नाम- 52 -डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **52** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446J00314** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SATYA SUSHANT VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUSHANT VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MAMTA JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LALIT KUMAR JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पंचायत चंदखुरी, जिला-रायपुर (छ0ग0)
E-mail - cmochandkhuri@gmail.com

क्रमांक/988 /न0प0/ लो0नि0वि0 / 2026 चंदखुरी दिनांक 24.08.2026

!! मैन्युअल निविदा आंमत्रण सूचना (द्वितीय) !!

नगर पंचायत चंदखुरी जिला रायपुर (छ.ग.) में निम्नानुसार निर्माण कार्य हेतु एकीकृत पंजीकृत प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से त्रि-लिफाफा पद्धति में रजिस्टर्ड/पंजीकृत डॉक के माध्यम से निविदा प्रपत्र-A में प्रचलित एस.ओ.आर. CGPWD Building SOR & PWD Electrical SOR 2.e.f. 10.06.2026 PWD Road SOR 15.06.2026, PHE SOR 01.06.2020 से प्रतिशत दर पर (निविदा जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसार) आमंत्रित की जाती हैं। निर्धारित निविदा प्रारूप विभागीय वेबसाईट से डाउनलोड की जा सकती है।

1. निविदा प्रारूप में पंजीकृत डॉक से निविदा प्राप होने की अंतिम तिथि - दिनांक 10.09.2026 समय-सायं 03:00 बजे तक।
2. प्राप्त निविदाएं खोलने की तिथि दिनांक 11.09.2026 समय सायं 04:30 बजे तक।

क्र.	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि शुल्क	निविदा प्रपत्र	समयावधि	ठेकेदार का वर्ग
1	2	3	4	5	6	7
1	वार्ड क्र. 01 संतोष पटेल के घर से बनश धीवर के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य (5.32) वार्ड क्र. 01 मन्नू वर्मा के घर से होमन पटले के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य (2.21)	6.38	5000/-	750	04 माह	"D" & Above
2	वार्ड क्र.02 देवेन्द्र वर्मा के घर से मुख्य नाली तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य (3.37) वार्ड क्र. 02 भरनी तालाब से नहर नाली तक आर. सी.सी. नाली निर्माण कार्य (3.58)	5.89	5000/-	750	04 माह	D" & Above
3	वार्ड क्र. 05 रूपसिंग सेन के घर से कोड्डू धीवर के खलिहान होते हुए मेहत्तर धीवर तक घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य (5.51) वार्ड क्र.05 बेनीराम साहू के घर से कांजी हाऊस तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य (2.67)	6.93	8340/-	750	04 माह	D" & Above
4	वार्ड क्र.. 06 मेहत्तरू वर्मा के खलिहान से रामभरोसा के घर होते हुए जनक धीवर के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	4.19	4190/-	750	04 माह	D" & Above
5	वार्ड क्र. 07 लखन धीवर के घर से सुरेश देवांगन के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य। (2.43) वार्ड क्र. 07 रामकुमार साहू के घर दाऊलाल साहू घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य (1.65) वार्ड क्र . 07 भुलेराम साहू के घर से नरोत्तम वर्मा के घर तक आर.सी. सी. नाली निर्माण कार्य (1.99) वार्ड क्र. 07 युवराज साहू ब्यारा से हरिशंकर धीवर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य (0.77)	5.79	5000/-	750	04 माह	D" & Above
6	वार्ड क्र. 08 परशुराम धीवर के घर से दुलार धीवर के घर होते हुए थनवार धीवर के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	8.39	6293/-	750	04 माह	D" & Above
7	वार्ड क्र. 10 ओंमकार वर्मा के दुकान से नहर नाली तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	5.83	5000/-	750	04 माह	D" & Above
8	वार्ड क्र. 10 रामचंद्र के घर से मुख्य मार्ग तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	3.06	3060/-	750	04 माह	D" & Above
9	वार्ड क्र. 11 राधाकृष्णा मंदिर से सरस्वती शिशु मंदिर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य ।	6.88	5160/-	750	04 माह	D" & Above
10	वार्ड क्र. 13 धनेश घृतलहरे के घर से सनत वर्मा के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य ।	4.28	4280/-	750	04 माह	D" & Above
11	वार्ड क्र. 13 टकेश्वर वर्मा के घर से फगवा डहरिया के घर एवं पी.डी.एस. भवन के नाली निर्माण कार्य ।	5.09	5000/-	750	04 माह	D" & Above
12	वार्ड क्र.14 जगदीश मारकन्डे के घर से ईश्वर ध्रुव के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य ।	7.32	5490/-	750	04 माह	D" & Above

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी वेबसाईट **www.uad.cg.gov.in** से एवं कार्यालय के सूचना पटल में कार्यालयीन समय मे प्राप्त की जा सकती हैं।

टीप:-
निविदा हेतु भौतिक दस्तावेज रजिस्टर्ड / पंजीकृत डाक के माध्यम से प्राप्त की जावेगी। निविदा प्रपत्र शुल्क की राशि का डी.डी. मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नाम से देय होगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत चंदखुरी

Public Notice

Notice u/s 72 of the Indian Partnership Act, 1932

This is to notify that the constitution of the Partnership firm M/s NAVKAR ASSOCIATES, reg. office at 207, Rishabh Complex, M.G. Road Raipur 492001 (C.G.)which was carrying on business in partnership since 05.08.2006, under an instrument of partnership executed on 05.08.2006 has under gone the following changes with effect from 10/08/2026.

1. Shri Sandeep Shah S/o Late Shri Mohan Shah, ceased aspartner w.e.f. 10/08/2026.
2. Shri Sanjeev Kumar Shah S/o Late Shri Mohan Shah, ceased as partner w.e.f. 10/08/2026.

M/S NAVKAR ASSOCIATES
Raipur (C.G.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34604/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 20-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34604
वार्ड का नाम- 70 - संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568L00974** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRAKASH KHUSHALANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE KISHANLAL MEGHRAJ MAL KHUSHALANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KEDAR RAM CHANDRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GOPAL RAM CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, जिला- रायपुर छ0ग0
इश्तिहार

क्रमांक // बी-121/2026 रायपुर, दिनांक /14/8/2026
ग्राम कोटा प0ह0नं0.
तहसील रायपुर, जिला-रायपुर (छ0ग0)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेविका/आवेदक **संजय डोंगरे - पिता चरणदास डोंगरे** द्वारा इस न्यायालय **मृत्यु प्रमाण-पत्र** बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है, आवेदक के **पिता /पति मृत्यु पिता - चरणदास डोंगरे** की **मृत्यु दिनांक 2-12-16** को घर / हॉस्पिटल में हो चुकी है। उनके मृत्यु के उपरांत आवेदक द्वारा निवेदन किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण-पत्र के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना तो वे नियत. सुनवाई **दिनांक 25/8/2026** तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा। आज **दिनांक 14/8/2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।

मुहर
कार्यपालन दण्डाधिकारी
रायपुर (छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, जिला- रायपुर छ0ग0
इश्तिहार

क्रमांक // बी-121/2026 रायपुर, दिनांक /14/8/2026
ग्राम कोटा प0ह0नं0.
तहसील रायपुर, जिला-रायपुर (छ0ग0)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेविका/आवेदक **सोनू साक्या पिता - गंगा राम** द्वारा इस न्यायालय **जन्म** प्रमाण-पत्र बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है, आवेदक के पिता/पति पुत्र चैतन्य : की **जन्म दिनांक 12-04-21** को घर / हॉस्पिटल घर में हो चुकी है। उनके जन्म के उपरांत आवेदक द्वारा निवेदन किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत जन्म प्रमाण-पत्र के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना तो वे नियत. सुनवाई **दिनांक 25/8/2026** तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा। आज **दिनांक 14/8/2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।

मुहर
कार्यपालन दण्डाधिकारी
रायपुर (छ0ग0)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34583/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34583
वार्ड का नाम-8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226J01272** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KARANJEET SINGH SALUJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRITAM SINGH SALUJA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SUJOY KUMAR NANDI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUBRATA NANDI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./34719/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 22-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34719
वार्ड का नाम-25- संत रामदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 25 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR818F00494** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJKUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AJURAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRIMATI SAVITA YADU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI ARJUN YADU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./34614/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 22-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34614
वार्ड का नाम-37 - शहीद वूड़ामणि नायक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 37 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR516A00064** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DINESH VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANNULAL VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRIMATI REKHA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI SHIV KUMAR SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./34694/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 22-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34694
वार्ड का नाम-36 - तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR738B00356** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BUDHURAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAGDISH SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती गीता बाई साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. बुधराम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, नजूल पट्टा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, मंगलवार 25 अगस्त 2026

निगम के सभी जोनो में प्रोजेक्ट पुनर्जीवन महाभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर रायपुर जिला प्रशासन के लोकप्रिय पर्यावरण हितकारी प्रोजेक्ट पुनर्जीवन की अभिनव योजना के अंतर्गत रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिह के मार्गनिर्देशन में पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा पर्यावरण संरक्षण कार्य को लेकर व्यक्त की गई गहन चिंता के तत्काल पश्चात से सम्पूर्ण रायपुर जिला क्षेत्र अतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र मेंनगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा के मार्गनिर्देशन में रायपुर नगर निगम के सभी 10 जोन कमिश्नरों द्वारा सतत मॉनिटरिंग कर प्रतिदिन नियमित अपने- अपने जोन क्षेत्र के सभी वार्डो में ऐसे सभी पौधों को चिन्हित करने का कार्य किया गया, जो पूर्व में चारों ओर से ट्री गार्ड एवं कांक्रीट के घेरों पेवर में घिरे हुए होने के कारण प्राकृतिक रूप से विकसित नहीं हो पा रहे थे।

ऐसे समस्त पौधों को चिन्हित करके प्राकृतिक रूप से स्वत: विकसित होने एवं स्वयं मिट्टी, पानी प्राप्त करने पर्यावरण हितैषी वातावरण देने इन सभी पौधों को चारों ओर से घेरकर लगाये गये ट्री गार्ड और कांक्रीट के घेरों पेवर को हटाने का कार्य रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के अंतर्गत सभी 10 जोनों में तेज गति से निरन्तर समाजहित में पर्यावरण सुरक्षा की

दृष्टि से करवाया गया।

लोकप्रिय समाज हितकारी प्रोजेक्ट पुनर्जीवन अंतर्गत महाभियान आज रायपुर जिला प्रशासन एवं रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा रायपुर नगर निगम क्षेत्र में सभी जोनो के अंतर्गत वार्डो में व्यापक रूप से रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं रायपुर नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देशानुसार चलाया गया। महाभियान का रायपुर नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न स्थानो पर पहुंचकर प्रोजेक्ट पुनर्जीवन की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने रायपुर नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा सहित रायपुर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार विश्वरंजन एवं अन्य संबंधित रायपुर नगर निगम के अपर आयुक्त उद्यान श्री विनोद पाण्डेय, उपायुक्त उद्यान श्रीमती जागृति साहू सहित सम्बंधित जोन कमिश्नरो, कार्यपालन अभियंताओं एवं अन्य संबंधित नगर निगम अधिकारियों एवं राज्य लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अभियंताओं, वन विभाग, रायपुर जिला प्रशासन के अन्य सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में किया, रायपुर जिला कलेक्टर ने रायपुर नगर निगम क्षेत्र में शासन के लोकप्रिय प्रोजेक्ट पुनर्जीवन महाभियान की प्रगति की स्थल समीक्षा कर इस सम्बन्ध में सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

यहां यह विशेष उल्लेखनीय है कि विगत दिनांक 22 अगस्त 2026 तक विभिन्न जोनों के भिन्न क्षेत्रों के स्थानों में इन सभी चिन्हित पौधों को समाज हित में पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से चारों ओर कॉक्रीट के घेरे पेवर लगाकर लगाए गए अब तक लगभग विभिन्न 2302 स्थानों पर ट्री गार्ड और लगभग बिभिन्न 571 स्थानों पर कांकीट के घेरों पेवर को समस्त जोन कमिश्नरों द्वारा वहां पहुंचकर हटवाये जाने का कार्य तेजी के साथ करवाया गया है और यह अभियान रायपुर नगर निगम क्षेत्र में निरन्तर प्रगति पर है एवं सभी जोन कमिश्नरों की सतत निगरानी में सभी 10 जोन क्षेत्रों में ऐसे सभी पौधों को स्वत: विकसित होने पानी प्राप्त कर सकने आवश्यक पर्यावरण हितैषी वातावरण कायम करने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया गया है।

रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने राजधानी रायपुर शहर क्षेत्र के समस्त रहवासी नागरिको से रायपुर जिला प्रशासन की ओर से विनम्र अपील की कि वे ऐसे सभी पौधों को आवश्यक पानी खाद आदि देकर विकसित करने में सहभागी बनकर अपनी सक्रिय सहभागिता को दर्ज करवाने का कष्ट करें। ऐसा करने वाले सभी पर्यावरण प्रेमी नगरवासियों को पर्यावरण मित्र के रूप में रायपुर जिला प्रशासन के तत्त्ववधान में पर्यावरण हितैषी प्रोजेक्ट पुनर्जीवन योजना के अंतर्गत समाज में उनके द्वारा पर्यावरण हितकारी योगदान देने हेतु सम्मानित किया जायेगा।

जामुल थाना परिसर में हुआ वृहद वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण और हरियाली का दिया संदेश

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण, हरियाली को बढ़ावा देने और शहर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न क्षेत्रों में वृक्षारोपण एवं पौधरोपण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर निगम के जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत जामुल थाना परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान थाना परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए।

वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्देश्य परिसर को हराभरा बनाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना रहा। पौधों के बढ़ने के साथ परिसर में हरियाली बढ़ेगी, जिससे वातावरण भी स्वच्छ एवं अनुकूल रहेगा। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने पौधों के संरक्षण और उनकी नियमित देखभाल की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण एवं पर्यावरणीय असंतुलन को देखते हुए अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाना आवश्यक है। केवल पौधरोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से रोपे गए पौधों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। कार्यक्रम के दौरान सभी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक रूप से अपनी सहभागिता निभाई तथा अधिक से अधिक लोगों को पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया।

निगम की ओर से नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने घरों, संस्थानों एवं आसपास उपलब्ध स्थानों पर पौधे लगाएं तथा लगाए गए पौधों को नियमित रूप से पानी देने और उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी निभाएं। सामूहिक प्रयासों से ही भिलाई शहर को अधिक हरा-भरा, स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, बैंक ऑफ बड़ौदा उप क्षेत्रीय प्रमुख जयप्रकाश नारायण, कार्यपालन अभियंता अरविन्द शर्मा, पार्षद प्रदीप सेन, उद्यान सह जनसंपर्क अधिकारी तिलेश्वर साहू, बैंक ऑफ बड़ौदा क्षेत्रीय बिजनेस डेव्हलपमेंट मेनेजर विनय प्रकाश, ब्रांच मैनेजर निखिल वासनिक, अनिल शर्मा, सुभाष सपाटे, सुनीता पराडकर, जितू तोमर, विकास साहू एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

फिक्की फ्लो समिति ने पुरैना शासकीय स्कूल की छात्राओं को पोक्सो एवं साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

रायपुर (विश्व परिवार)। फिक्की फ्लो लीगल लिटरेसी प्रमुख द्वय श्रीमती रश्मि काले एवं श्रीमती शमी श्रीश्रीमल की पहल पर शासकीय हाई स्कूल, पुरैना, रायपुर में छात्राओं हेतु पोक्सो अधिनियम, बाल सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा तथा साइबर दुनिया में बरती जाने वाली सावधानियों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में वक्ता द्वय श्रीमती शगुन कौर एवं श्रीमती सखी सिंधवानी ने छात्राओं को 'लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012' (प्रोटेक्शन ऑफ़ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ओफ्फेंसेस — पोक्सो) की महत्वपूर्ण

जानकारियां सरल एवं सहज भाषा में प्रदान की। उन्होंने छात्राओं को सुरक्षित एवं असुरक्षित व्यवहार की पहचान, यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़ तथा किसी भी अप्रिय परिस्थिति में उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों के बारे में विस्तार से समझाया। इस अवसर पर श्रीमती लवली भसीन, श्रीमती तवनप्रीत भसीन एवं श्रीमती रितु चावला भी प्रमुख रूप से उपस्थित थे। सत्र के दौरान साइबर क्राइम, ऑनलाइन उत्पीड़न एवं सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर भी विशेष चर्चा हुई। छात्राओं को बताया गया कि सोशल मीडिया का उपयोग करते समय अपनी निजी जानकारी, फ़ोटो, पासवर्ड, ओटीपी अथवा अन्य संवेदनशील जानकारी अनजान लोगों के साथ साझा न करे। किसी भी प्रकार के साइबर उत्पीड़न या अनुचित ऑनलाइन गतिविधि का सामना होने पर घबराने अथवा चुप रहने के बजाय तत्काल किसी विश्वसनीय व्यक्ति तथा संबंधित जिम्मेदार संस्था से संपर्क करना चाहिए।

महापौर सुबह साफ सफाई, पानी का हाल जानने पेण्ड्री पहुंचे

राजनांदगांव। सुबह वार्ड में मूलभूत सुविधा बिजली, पानी, सफाई की स्थिति जानने महापौर श्री मधुसूदन यादव निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम के साथ पेण्ड्री पहुचे। उन्होंने वार्ड पार्षद श्री कुलेश्वर ध्रुव के साथ वार्ड में पैदल घुम वार्डवासियो से मिल चर्चा किए। महापौर ने पेण्ड्री में निर्मित आईएचएसडीपी, अंतर्गत निर्मित आवास कालोनी, रमन बाजार क्षेत्र का पैदल भ्रमण कर साफ सफाई देख वार्ड प्रभारी से कहा कि ग्रामीण वार्ड होने के कारण साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए, बारिश का पानी जमाव का कच्ची नाली खोद निकासी कर साफ सफाई करावे। उन्होंने सुचारू पेयजल सप्लाई के लिए पाईप लाईन विस्तार कार्य का जायजा लेकर कहा कि पाईप लाईन बिछाने के पश्चात खोदे गये गड्ढो को समतल करे, जिससे बारिश में आवागमन सुगमता से हो सके।

पूर्व की कांग्रेस सरकार के गौठानों में भाजपा सरकार ने शराब दुकानें खोल दी : विकास उपाध्याय

- हिन्दु और गौमाता बीजेपी के लिए सत्ता तक पहुँचने का मार्ग
- बांग्लादेश में फिर एक ही परिवार के 4 हिंदुओं की निर्मम हत्या

रायपुर (विश्व परिवार)। पूर्व संसदीय सचिव एवं छाया सांसद विकास उपाध्याय ने केन्द्र सरकार की विदेश नीति पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए कहा कि लगातार अलग-अलग देशों में भारतीयों को मारा जा

रहा है लेकिन मोदी सरकार की चुप्पी समझ से परे है। सनातन और हिन्दुओं का हवाला देकर केवल सत्ता पाना भाजपा का लक्ष्य रहता है लेकिन वास्तव में हिन्दुओं के प्राणों की इन्हें कोई परवाह नहीं है पड़ोसी देश बांग्लादेश में लगातार हिन्दुओं के कत्लेआम हो रहे हैं लेकिन मोदी सरकार द्वारा अब तक किसी भी प्रकार के ठोस कदम नहीं उठाये जा रहे हैं जिस प्रकार बांग्लादेश के रंगपुर शहर में हिन्दु परिवार के चार लोगों की गला घोटकर निर्मम हत्या कर दी गई है, रंगपुर के मृतकों में रंगपुर जिला स्कूल के सेवानिवृत्त शिक्षक गणपति चक्रवर्ती (65), पत्नी प्रीतिलता (50), बेटी आगामी चक्रवर्ती प्रार्थी (23) और बेटा प्रियम (12) हैं। पिछले 2 साल में 100 से भी अधिक हिन्दुओं को परेशान किए जाने की खबरें मिलती रही हैं। बांग्लादेश के अलावा विदेशों में चाहे अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, स्वीट्जरलैण्ड या फिर पाकिस्तान की बात करें जहाँ हिन्दुओं की हत्या की जा रही है या उनको प्रताड़ित किए जा रहे हैं लेकिन लगता है केन्द्र सरकार की मंशा हिन्दु केवल सत्ता पाने की चाबी है और चुनावी मुद्दा ही रह गया है। विकास उपाध्याय ने कहा कि बीजेपी सरकार हर मोर्चे पर विफ्ल साबित हो रही है चाहे देश के भीतर की बात हो या फिर विदेश नीति की बात हो।

रायपुर में 'रिमझिम सावन सेलिब्रेशन 2026' का आयोजन किया गया

■ प्रिया गुप्ता बनीं सावन क्वीन 2026

रायपुर (विश्व परिवार)। 3 Cheers Entertainment & SS Creation द्वारा 'रिमझिम सावन सेलिब्रेशन 2026' का भव्य आयोजन होटल अभिजीत इन, भाटागांव, रायपुर में किया गया।

यह कार्यक्रम केवल महिलाओं के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में संगीत, पारंपरिक खेल, रैंप वॉक, रिटर्न गिफ्ट और स्वादिष्ट व्यंजनों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सावन क्वीन प्रतियोगिता रही, जिसमें प्रिया गुप्ता को सावन क्वीन 2026 के खिताब से नवाजा गया। उन्हें ताज पहनाकर और विशेष उपहार देकर सम्मानित किया गया।

क्रिएशंस एवं 3 चीयर्स इंटरटेंमेंट एवं ऐस ऐस क्रिएशन की लॉन्चिंग का कार्यक्रम भी संपन्न हुआ

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. कविता कुंभज (डायरेक्टर, पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन), गीता वर्मा, अंनिकेता भारद्वाज, स्मृति अग्रवाल, हीरा बेकरी एवं डॉ. प्रीति उपाध्याय उपस्थित रहीं। विशेष सहयोगी के रूप में शगुप्ता अफ्रोज, श्वेता बावनकर (मिसेज छत्तीसगढ़ 2026), कविता सिंह,नीता जैन, परी भोसले एवं आंचल यादव, भारती अग्रवाल, उषा, निहारिका जैन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के आयोजक श्रेयांश निर्मलकर (संस्थापक, 3 Cheers Entertainment), डॉ. श्रद्धा निर्मलकर (सहयोगी), पीयूष जैन (प्रेरणास्रोत) एवं सार्थक जैन (डायरेक्टर, SS Creation) ने सभी का आभार व्यक्त किया।

शासकीय स्कूलों के 227 उत्कृष्ट विद्यार्थियों का सम्मान: सुनील सोनी

रायपुर (विश्व परिवार)। छात्र-छात्राओं से संवाद कार्यक्रम के तहत रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी आज 24 अगस्त को जेआर दानी कालीबाड़ी रायपुर पहुंचे, वहाँ उन्होंने दसवीं एवं बारहवीं के 75 छात्राओं को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र के साथ 5000-5000 रूप्ये का चेक प्रदान किया। अभी तक प्रदेषभर के अनेक जिलों के निवासी जो कि रायपुर दक्षिण विधानसभा के स्कूलों में अध्ययनरत हैं, 19

स्कूलों के लगभग 227 विद्यार्थी चयनित हुए हैं, जिन्हें सम्मानित किया गया है। शासकीय स्कूलों में सम्मान प्राप्त करने वाले उत्कृष्ट विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे विद्यार्थियों में अत्यंत उत्साह है।

विधायक ने किया भूमिपूजन

रिसाली। रिसाली निगम क्षेत्र के श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र शिवपारा, बीआरपी कॉलोनी, एचएससीएल कॉलोनी मरोदा क्षेत्र में एक करोड़ बहत्तर लाख छियानबे हजार से विकास कार्य होगा। रविवार को दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने नारियल तोड़कर कार्य को आरंभ कराया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि विकास के लिए सरकार के पास पर्याप्त राशि है। सुविधाओं के लिए खर्च करना सरकार की पहली प्राथमिकता है। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर भूमिपूजन करने सबसे पहले वार्ड 17 शिवपारा स्टेशन मरोदा पहुंचे। इसके बाद क्रमश वार्ड 18 एचएससीएल स्टेशन मरोदा व बीआरपी कॉलोनी पहुंचे। विधायक ने नागरिकों से कहा कि निगम क्षेत्र के अंतिम छोर पुरैना से भूमिपूजन करते आ रहे है। क्षेत्रीय पार्षद के प्रयास और नागरिकों के प्राथमिकता को देखते हुए विभिन्न विकास कार्य को पूरा किया जा रहा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./34663/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34663
वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **30** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331E00049** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MRS. KISHORI DEVI** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O LATE RAJVANSHI PRASAD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. VIJAY KUMAR KUSHWAHA 2. VIMAL KUMAR KUSHWAHA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE. RAJVANSHI PRASAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34572/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34572
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **56** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446H00004** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ARJUN SUNDRANI , SUNIL KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NANAKRAM , METHARAM SUNDRANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NARENDRA RATHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LALCHAND RATHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, मंगलवार 25 अगस्त 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

साख में भी सेंध लगेगी

सियाम के पलटने से सिर्फ उसकी ही संदिग्ध नहीं हुई है, बल्कि सरकार पर भी सवाल उठे हैं। सबसे प्रमुख प्रश्न है कि क्या सियाम पर सरकार ने दबाव डाला, जैसाकि आरोप लग रहे हैं? सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबिल मैनुफैक्चरर्स (सियाम) ने पहले सरकार को पत्र लिखकर शिकायत की कि ई-20 (20 प्रतिशत इथॉनोल मिले) पेट्रोल से कारें खराब हो रही हैं। लेकिन अब सियाम ने यह कहते हुए वो पत्र वापस ले लिया है कि किसी नतीजे पर पहुंचने से पहले अभी और जानकारी की जरूरत है! ई-20 ईंधन को बड़ा सियासी मुद्दा बना चुके आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि कार कंपनियों के इस संगठन ने सरकार के दबाव में आकर पत्र वापस लिया। इस मुद्दे को लेकर सड़क पर उतरे सामाजिक कार्यकर्ता तहसीन पूनावाला ने सियाम के दोनों पत्रों में मौजूद 'खतरनाक' अंतर्विरोधों का उल्लेख करते हुए कहा है कि दबाव में हुए इस रुख परिवर्तन से भारतीय ऑटो उद्योग की प्रमुख संस्था की साख नष्ट हुई है। अपने पहले पत्र में सियाम ने लिखा था- 'कारों में क्लोराइड प्रेसर के कारण पाट-पुर्जों को बदलने के मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है। ऐसा होने का संबंध ईंधन से पाया गया है।' बहरहाल, अपने इस ऑब्जर्वेशन से भले सियाम पलट गया हो, लेकिन इससे ई-20 से वाहनों हो रहे नुकसान, वाहन मेनटेनेंस खर्च में बढ़ोतरी, और माइलेज घटने जैसे वाहन उपभोक्ताओं के अनुभवों पर शायद ही कोई फर्क पड़े। दरअसल, बुधवार को जब सियाम के पलटने की खबर आई, लगभग उसी समय दिल्ली टैक्सी, टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एंड टुअर ऑपरेटर एसोसिएशन के दर्जनों सदस्य राष्ट्रीय राजधानी में सड़क पर उतर कर ईंधन में मिलावट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। स्पष्टत: ये मुद्दा अब उस मुकाम पर पहुंच चुका है, जिसे केंद्र दरकिनार नहीं कर सकता है। यह अफसोसनाक है कि उसने इस मामले में भी धुआंधार प्रचार से शिकायत पर परदा डालने और तथ्यों को छिपाने का नजरिया अपनाया है। मगर ऐसे तरीके अब कारगर होते नहीं दिखते। असल में सियाम के पलटने से सिर्फ उसकी ही संदिग्ध नहीं हुई है, बल्कि सरकार पर भी सवाल उठे हैं। सबसे प्रमुख प्रश्न है कि क्या सियाम पर सरकार ने दबाव डाला, जैसाकि आरोप लग रहे हैं? अगर ये संदेह मजबूत हुआ, तो उससे सरकार की साख में भी सेंध लगेगी।

श्री सम्मेद शिखर जी से वर्तमान चौबीसी के काल में यहाँ की 20 टोंकों से 20 तीर्थंकरों के साथ 86 अरब 488 कोड़ाकोड़ी 140 कोड़ी 1027 करोड़ 38 लाख 70 हजार 323 मुनियों ने कर्मों का नाश कर मोक्ष पद प्राप्त किया

- तीर्थराज सम्मेद शिखर की 52 किलोमीटर की परिक्रमा के लिए जयपुर से पहुंचेंगे यात्री
- 1 अक्टूबर को जयपुर से रवाना होगा 200 यात्रियों का दल
- सातवीं बार करेगें जयपुर के जैन बन्धु पर्वत की परिक्रमा

सम्मेद शिखर में पर्वत की 27 किलोमीटर की पदवन्दना सहित आयोजित होंगे कई बड़े कार्यक्रम

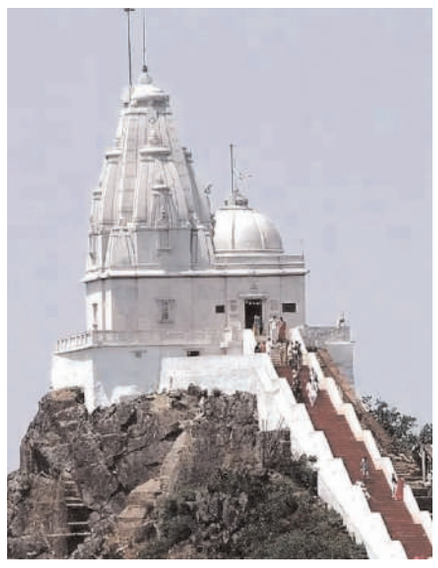

जयपुर - 24 अगस्त -जैन धर्म के बीस तीर्थंकरों की निर्वाण भूमि, शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी पर्वत की 52 किलोमीटर की सातवीं बार परिक्रमा करने के लिए जयपुर से एक विशेष यात्रा का आयोजन सिद्धार्थ नगर जयपुर जैन समाज की ओर से आयोजित किया जा रहा है। तीर्थयात्रा कार्यक्रम सिद्धार्थ नगर गौरव मुनि 108 विशाल सागर महाराज की पावन प्रेरणा से किया जा रहा है। इस यात्रा में 200 यात्री जयपुर से श्री सम्मेद शिखर जी परिक्रमा के लिए प्रस्थान करेंगे। श्री सम्मेद शिखर जी में तीर्थ वंदना, श्री सम्मेद शिखर विधान और पर्वतराज की परिक्रमा जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। । यात्रा के मुख्य संयोजक महावीर रांवका ने बताया कि 7 बार पर्वत की परिक्रमा करवाने वाली संस्था श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर के पूर्ण सहयोग से तीर्थराज की परिक्रमा जैसे बड़े धार्मिक आयोजन इस वर्ष फिर सम्पन्न होने जा रहा है। श्री रावकां ने बताया कि यात्रा दल द्वारा 3 अक्टूबर को श्री सम्मेद शिखर पर्वत की 27 किलोमीटर की पद वन्दना की जाएगी। 4 अक्टूबर को तलहटी स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में संगीतमय श्री सम्मेद शिखर पूजा विधान एवं आचार्य विद्या सागर महाराज की महापूजा की जाएगी। 5 अक्टूबर को प्रात: श्री सम्मेद शिखर जी पर्वत की पैदल परिक्रमा शुरु होगी। रात्रि विश्राम निमिया घाट दिगम्बर जैन मंदिर में होगा। 6 अक्टूबर को प्रात: मंदिर जी में अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की जाएगी। इस दो दिवसीय पर्वत परिक्रमा का 6 अक्टूबर को सायंकाल मधुवन में समापन होगा। श्री सम्मेद शिखर जी से वर्तमान चौबीसी के काल में यहाँ की 20 टोंकों से 20 तीर्थंकरों के साथ 86 अरब 488 कोड़ाकोड़ी 140 कोड़ी 1027 करोड़ 38 लाख 70 हजार 323 मुनियों ने कर्मों का नाश कर मोक्ष पद प्राप्त किया राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि तीर्थराज सम्मेद शिखरजी के कण-कण में सिद्धत्व की आभा एवं निर्वाण की ज्योति है। इस अनादिनिधन क्षेत्र पर देव भी सदा वंदना के लिए आते रहते हैं। यहाँ का कण-कण सिद्ध आत्मा के चरणकमलों के स्पर्श से पवित्र है। इस तीर्थराज की ऊँचाई 4579 फुट एवं क्षेत्रफल 25 वर्ग किलोमीटर है। इस क्षेत्र से असंख्यात चौबीसी एवं अनन्तानन्त मुनीश्वरों ने कर्मनाश कर मोक्षपद प्राप्त किया है। वर्तमान चौबीसी के काल में यहाँ की 20 टोंकों से 20 तीर्थंकरों के साथ 86 अरब 488 कोड़ाकोड़ी 140 कोड़ी 1027 करोड़ 38 लाख 70 हजार 323 मुनियों ने कर्मों का नाश कर मोक्ष पद प्राप्त किया है। कोटखावदा ने बताया कि जैन धर्म में मान्यता है कि ऐसे सभी पापों की निर्जरा करने वाले पावन तीर्थराज की वंदना करने से 33 कोटि 234 करोड़ 74 लाख उपवास का फल प्राप्त होता है। आचार्यों ने लिखा है कि इस बारह योजन प्रमाण वाले सिद्ध क्षेत्र में भव्य राशि कैसी भी हो, अत्यन्त पापी जीव भी इसमें रहता हो, आता हो, बैठता हो अथवा जन्म लेता हो तो वह 48 भवों में नियम से कर्मों का नाश कर बन्धन से मुक्त हो जाता है। इस तीर्थराज की वंदना के लिए जैनाचार्यों ने वस्त्रों का विधान भी बतलाया है। सफेद, लाल, पीले, हरे एवं काले वस्त्रों को पहनकर वंदना करने से क्रमश: मोक्ष, पुत्ररत्न, अपरिमित धन-धान्य, बैरभाव व चिन्तामुक्ति तथा असाध्य रोग से मुक्ति की प्राप्ति होना बताया गया है। वर्तमान चौबीसी के द्वितीय तीर्थंकर श्री अजितनाथ भगवान ने सर्वप्रथम तीर्थराज से मोक्ष पद प्राप्त किया था, तभी से कई चक्रवर्तियों ने संघ सहित इस पावन तीर्थराज की वंदना की है। जैनागम में श्री अजितनाथ भगवान के काल में सर्वप्रथम यात्रा संघ लाने वाले सगर चक्रवर्ती हुए हैं एवं उनके पश्चात् मघवान, सनतकुमार आदि चक्रवर्ती बताये गये हैं। प्राय: सभी आचार्य परमेष्ठी चतुर्विध संघ सहित इस क्षेत्र की वंदना एक बार साधु जीवन में अवश्य ही करते हैं। बीसवीं सदी के प्रथम चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शान्तिसागरजी महाराज दक्षिण ने चतुर्विध संघ सहित सन् 1927 में कार्तिक की अष्टाह्निका के पश्चात् दक्षिण महाराष्ट्र से तीर्थराज की पदवंदना हेतु ससंघ विहार किया था। यात्रा के मुख्य संरक्षक मनीष चौधरी ने बताया कि इस सदी के महान आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज ने संघ सहित 1983 में तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर जी की वंदना की थी। चौधरी ने बताया कि सिर्फ पुण्यवान व्यक्ति को ही इस क्षेत्र में जाने का अवसर प्राप्त होता है, जन्म जन्मांतर के पुण्य फलित होने पर इस महा तीर्थयात्रा करने और दुर्लभ परिक्रमा का पुण्य अर्जन होता है।

विनोद जैन कोटखावदा
प्रदेश महामंत्री
राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर

आलेख

'जेन जी' के लिए डिप्रेशन बन गया

हरिशंकर व्यास

क्या बुद्धि का दिवालियापन है कि नीट यूजी पेपर लीक और परीक्षा की दूसरी गड़बड़ियों के खिलाफ देश के नौजवान सड़कों पर उतरे और आंदोलन किया तो भाजपा के नेता और केंद्र सरकार के मंत्री नौजवानों की आपस में शॉर्ट मैसेजिंग की भाषा बोल कर उनको लुभाने की कोशिश कर रहे हैं! ऐसा लग रहा है, जैसे देश का 'जेन जी' यानी 14 से 29 साल तक की उम्र का युवा इस वजह से नाराज था कि देश के नेता उनकी भाषा नहीं बोलते हैं और नहीं समझते हैं। असल में नौजवान यह नहीं चाहते हैं कि 76 साल के प्रधानमंत्री और 76 साल के सरसंघचालक अपनी बातचीत में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करें, जिन्हें 'जेन जी' की भाषा के तौर पर सोशल मीडिया में प्रचारित किया जाए। हालांकि यह भी महामूर्खतापूर्ण बात है कि शब्दों या वाक्यों के शॉर्ट फॉर्म में बोलना 'जेन जी' की पहचान है। पहले की पीढ़ियों की भी अपनी शब्दावली होती थी। पहले भी बातें शॉर्ट फॉर्म में कही जाती थीं और तब भी वह पीढ़ी यह नहीं चाहती थी कि नेता उसके साथ उस भाषा में संवाद करें। अभी सरकार और विपक्ष दोनों के नेता 'जेन जी' के साथ कनेक्ट करने के लिए उसकी डिक्शनरी के कुछ शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं और समझ रहे हैं कि इससे वे नौजवानों को पटा लेंगे। लेकिन असल में ऐसा नहीं होगा। इसका कारण यह है कि नौजवान पीढ़ी को लेकर नेताओं की समझ बुनियादी रूप से गलत है। इस पीढ़ी ने हर घटना, घटनाक्रम और अपने जीवन से जुड़ी बातों के लिए अपने शब्द बनाए हैं। उनके शब्दों के मायने पारंपरिक अर्थ से बिल्कुल भिन्न हैं। दूसरी बात यह है कि वे तुरंत सामने वाले व्यक्ति को बॉक्स्ड करते हैं। एक खांचे में डालते हैं और उसके बाद आप कुछ भी कहते रहे वे आपको इस खांचे से बाहर नहीं देखेंगे। 'जेन जी' के लिए पढ़ाई और नौकरी या रोजगार के अलावा जो चीजें सबसे अहम हैं, उनके प्रति अगर सरकार सरोकार नहीं दिखाती है तो वह उनका विश्वास नहीं जीत सकती है। चाहे नरेंद्र मोदी और मोहन भागवत कितनी भी बात कर लें। उनका एक सरोकार पर्यावरण और पारिस्थितिकी के बदलाव को लेकर है। तभी किसान आंदोलन के समय 16 साल की ग्रेटा थनबर्ग उनकी नायक बन गई थी। उनका दूसरा सरोकार मानसिक स्वास्थ्य को लेकर है और तीसरा सरोकार अपनी पहचान को लेकर है। दुर्भाग्य से भारत की सरकार इनमें से किसी को भी एड्रेस नहीं कर रही है। पर्यावरण को लेकर हम गंभीर नहीं हैं। प्रदूषण रोकने के लिए कोई ठोस पहल नहीं है। ऐसे ही मानसिक स्वास्थ्य का पुरानी पीढ़ी के लोग मजाक ही उड़ाते हैं। कई लोग कहते मिल जाएंगे कि हमारे लिए जो मामूली स्ट्रेस था वह 'जेन जी' के लिए डिप्रेशन बन गया है। इससे आप उनको अपने साथ जोड़ नहीं पाएंगे। उलटे और दूर करेंगे। ऐसे ही पहचान का मामला है। वे एलजीबीटीक्यू का समर्थन करते हैं। याद करें कैसे युवाओं के आंदोलन में जंतर मंतर पर सबसे पहले एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोग पहुंचे थे। तब राइटविंग का पूरा इकोसिस्टम उनका मजाक उड़ाता था। क्या उस पहचान को स्वीकार किए बगैर कोई भी पार्टी या नेता 'जेन जी' से जुड़ सकता है? भारत ही नहीं पूरी दुनिया का राइटविंग उनकी इस पहचान को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। याद करें कैसे सत्ता में आते ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया था कि अमेरिका में अब सिर्फ दो ही जेंडर होंगे। यानी थर्ड जेंडर के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत का राइटविंग भी इसी सोच का है। तभी यह तय मानें कि सिर्फ उनकी भाषा के शब्द बोलने से काम नहीं चलने वाला है। उनके विचारों को भी स्वीकार करना होगा। वे पहचान को लेकर जो विचार रखते हैं और संबंधों को लेकर जो विचार रखते हैं। वे जितनी सहजता से लिव इन रिलेशनशिप को स्वीकार कर रहे हैं क्या राइटविंग या उनसे पहली वाली पीढ़ी उतनी ही सहजता से उसे स्वीकार कर पाएगी? अगर नहीं कर पाएगी तो सिर्फ बातों से कुछ नहीं होगा। सोचें, प्रधानमंत्री को अचानक याद आया कि सात अगस्त 1905 को स्वदेशी आंदोलन हुआ था।

विदेशी निवेश और नई डिपॉजिट स्कीम....

डा. अश्विनी महाजन

हालांकि विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) अचानक देश से बाहर नहीं जा सकता, लेकिन एफडीआई के मुनाफे, डिविडेंड, ब्याज, सैलरी, रॉयल्टी और टेक्निकल फीस के रूप में पैसे बहिर्गमन की एक बड़ी देनदारी भी बनाता है जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से तेजी से पैसा निकालना शुरू किया और 2026 की पहली छमाही में सिर्फ छह महीनों के अंदर लगभग 30 अरब अमरीकी डॉलर देश से निकाल, बाहर ले गए, उससे भारतीय रुपए पर भारी दबाव पड़ा। इस वर्ष के प्रारंभ से, जून 2026 तक रुपया 89.5 रुपए प्रति डॉलर से गिरकर 94.18 रुपए प्रति डॉलर हो गया, यानी इसमें 5.23 प्रतिशत की गिरावट आई। ऐसे में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बैंकों के लिए एक आकर्षक प्रस्ताव दिया और एक्सचेंज रेट रिस्क (विनिमय दर के जोखिम) के खिलाफ करेंसी हेजिंग की लागत को स्वयं वहन करना तय किया। इस नए प्रावधान का फायदा उठाते हुए, बैंकों ने डॉलर डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज को तेजी से बढ़ाया- पहले यह लगभग 3 से 4 प्रतिशत था, जिसे बढ़ाकर 3-5 साल की योग्य जमाओं (डिपॉजिट्स) के लिए 6 से 7 प्रतिशत या उससे ज्यादा कर दिया गया। अनिवासी भारतीयों ने इस पर उत्साह दिखाया और रिजर्व बैंक की स्पेशल स्वैप सुविधा के तहत विदेशी मुद्रा का अंतरप्रवाह प्रवाह सिर्फ दो हफ्तों में लगभग दोगुना हो गया। यह 17 जुलाई को 20.718 अरब अमरीकी डॉलर था जो 31 जुलाई तक बढ़कर 40.816 अरब अमरीकी डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अकेले विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक डिपॉजिट्स का हिस्सा 36.725 अरब अमरीकी डॉलर था, और बाकी लगभग 4 अरब अमरीकी डॉलर विदेशी मुद्रा में लिए गए कर्ज और विदेशी बाजार ऋण से आए। एफसीएनआर में हुई इस अचानक बढ़ोतरी से हमारे विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढने में निश्चित रूप से मदद मिली है। जुलाई 2026 के अंत तक विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 692.9 अरब अमरीकी डॉलर हो गया, जबकि मई 2026 के अंत में यह गिरकर 666.93 के निचले स्तर पर आ गया था- यानी सिर्फ दो महीनों में इसमें 25.9 अरब अमरीकी डॉलर की बढ़ोतरी हुई। रिजर्व बैंक की मौजूदा स्वैप स्कीम की खासियत यह है कि जब यह बैंकों को करेंसी जोखिम से मुक्त करती है, रिजर्व बैंक पर लगभग कोई खर्च नहीं आता। चूंकि रिजर्व बैंक विदेशी मुद्रा भंडार का कस्टोडियन है, इसलिए जब भी एफसीएनआर बैंक डिपॉजिट से पैसे निकाले जाते हैं, तो वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार से भुगतान कर सकता है, यह भंडार पहले इन्हीं एफसीएनआर डिपॉजिट से बढ़ाया गया था। हम समझ सकते हैं कि जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बाहर का रुख किया तो रुपए में तेजी से अवमूल्यन प्रारंभ हो गया। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा नई स्वैप स्कीम की मदद से अनिवासी भारतीयों से बड़ी जमा प्राप्त करना संभव हो पाया। विदेशी निवेश सही या अनिवासी भारतीयों की जमा : पिछले 26 सालों में, अगर हम एक तरफ विदेशी निवेश (जिसमें विदेशी प्रत्यक्ष और पोर्टफोलियो निवेश दोनों शामिल हैं) और दूसरी तरफ अनिवासी भारतीयों द्वारा भेजी गई कुल रकम (रेमिटेंस) की तुलना करें, तो पाते हैं कि देश को वर्ष 2000-01 से 2025-26 तक कुल 1166.4 अरब अमरीकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और 295.7 अरब अमरीकी डॉलर का निवल पोर्टफोलियो निवेश प्राप्त हुआ। यानी पिछले 26 वर्षों में कुल 1462.1 अरब अमरीकी डॉलर का विदेशी निवेश देश को प्राप्त हुआ। दूसरी ओर अनिवासी भारतीयों से देश में कुल 1780 अरब अमरीकी डॉलर के प्रेषण देश को प्राप्त हुए। आम तौर पर नीति-निर्माता और आर्थिक विश्लेषक विदेशी निवेश को बढ़ावा देने की वकालत करते हैं, ताकि घरेलू संसाधनों की कमी को पूरा किया जा सके और भुगतान संतुलन में लगातार बने रहने वाले घाटे से निपटने के लिए विदेशी मुद्रा की आपूर्ति बढ़ाई जा सके। लेकिन हम देखते हैं कि विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश को मिलाकर भी, तुलनात्मक रूप से कहीं ज्यादा योगदान अनिवासी भारतीयों का है। लेकिन समझना होगा कि जहां एक ओर अनिवासी भारतीयों का योगदान, विदेशी निवेश की तुलना में कहीं ज्यादा है, विदेशी निवेश कई प्रकार से देश पर देनदारी का बोझ बढ़ाता है, जबकि अनिवासी भारतीयों के प्रेषण से अत्यंत कम देनदारी बढ़ती है, क्योंकि एक बार राशि आने के बाद, अनिवासी भारतीयों द्वारा राशि वापस ले जाने की प्रवृत्ति बहुत सीमित होती है। यदि विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की बात करें, तो अभी तक निवल रूप से इन निवेशकों द्वारा निवल 295.7 अरब अमरीकी डालर की राशि प्राप्त हुई, लेकिन आज इन निवेशकों के निवेश का पूंजीगत मूल्य 805.7 अरब अमरीकी डालर है। यदि रुपयों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के कुल निवेश को देखा जाए तो वह 12.57 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि आज उनके निवेश का कुल मूल्य 73.7 लाख करोड़ रुपए है, यानी कुल मिलाकर निवेश का लगभग 6 गुणा। बड़ी बात यह है कि पोर्टफोलियो निवेशक अपनी मर्जी से अपने निवेश को कभी भी (बिना सूचना के) ले जा सकते हैं। इसका एक लघु रूप हम वर्ष 2026 के प्रथम 6 माह में देख चुके हैं, जब पोर्टफोलियो निवेशकों ने 30 अरब अमरीकी डॉलर की राशि विदेश भेजी। चाहे व्यावहारिक रूप से यह असंभव है, लेकिन सैद्धांतिक स्तर पर यह हो सकता है कि यदि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अपने समस्त स्टॉक को बेचने का निर्णय कर लें, तो यह भारत के कुल विदेशी मुद्रा भंडार से भी अधिक होगा। अब यदि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की बात करें तो ध्यान में आता है कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के पक्ष में यह तर्क दिया जाता है कि इस निवेश के साथ नई प्रौद्योगिकी आती है, जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर उत्पाद तो मिलते ही हैं, स्थानीय उद्योगों को भी तकनीक सुधार हेतु दबाव बनता है। साथ ही साथ देश में आंतरिक संसाधन कम होने पर भी देश में निवेश का स्तर बढ़ता है जिससे ग्रोथ तेज होती है।

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा)

- किसानों के सशक्तिकरण के लिए एमएसपी-आधारित मूल्य समर्थन को मजबूत करना

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) किसानों को उनकी उपज का सही दाम दिलाने के लिए सरकार की एक प्रमुख मूल्य-समर्थन योजना है। इसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को बेहतर ढंग से लागू करने और किसानों को मजबूरी में कम कीमत पर फसल बेचने से बचाने के लिए विभिन्न योजनाएं शामिल हैं। दालों, तिलहन और खोपरा की खरीद केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा नेफेड और एनसीसीएफ जैसी संस्थाओं के माध्यम से की जाती है। वर्ष 2026-27 के लिए 7,200 करोड़ रुपये के बजट आवंटन के साथ, 'पीएम-आशा' प्रभावी मूल्य-समर्थन उपायों को और सुदृढ़ बनाती है। 'आधार'-आधारित प्रमाणीकरण, ई-नाम, ई-समृद्धि और ई-संयुक्ति सहित डिजिटल सुधारों ने पारदर्शिता और खरीद क्षमता में सुधार किया है। कृषि अवसंरचना कोष से मिली मदद और खरीद के दायरे को बढ़ाने से यह योजना और भी मज़बूत हुई है। सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ छोटे और हाशिये पर रह रहे किसानों सहित सभी किसानों तक पहुँचे। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) एक महत्वपूर्ण पहल है। सरकार ने सितंबर 2018 में इस योजना की शुरुआत की थी। इसे इस तरह से तैयार किया गया था कि उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में स्थिरता भी बनी रहे और साथ ही किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य भी मिल सके। पीएम-आशा एक एकीकृत फ्रेमवर्क के तहत कई मूल्य समर्थन प्रणालियों को एक साथ लाती है। प्रत्येक प्रणाली को फसल और बाजार की स्थितियों के अनुसार लागू किया जाता है। यह योजना एमएसपी को लागू करने में मदद करती है और किसानों को मजबूरी में फसल बेचने से बचाती है। साथ ही, यह उपभोक्ताओं के लिए खाद्य वस्तुओं की कीमतों में स्थिरता सुनिश्चित करते हुए किसानों की आय को भी स्थिर बनाये रखती है। पीएम-आशा के तहत, खरीद की व्यवस्था प्रत्येक विपणन सत्र (मार्केटिंग सीज़न) से पहले ही शुरू हो जाती है। केंद्रीय नोडल एजेंसियां और राज्य सरकारें फसलों के बाजार में पहुंचने से पहले ही खरीद के लिए ज़रूरी अवसंरचना तैयार कर लेती हैं। इस समन्वित दृष्टिकोण से खरीद का काम समय पर होता है और यह पूरे देश में एमएसपी के प्रभावी कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाता है। पीएम-आशा में मुख्य रूप से चार प्रमुख घटक शामिल हैं= मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस), मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ), मूल्य अंतर भुगतान योजना (पीडीपीएस) और बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस)। यह योजना कटाई के समय जब बाजार की कीमतें एमएसपी से नीचे गिर जाती हैं, तब एमएसपी पर फसलों की खरीद सुनिश्चित करती है। इसमें मुख्य रूप से दालें, तिलहन और खोपरा शामिल हैं। राज्य सरकारों के अनुरोध पर भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) जैसी एजेंसियों के माध्यम से खरीद की जाती है। इसके लिए सिर्फ़ वे किसान पात्र हैं जिनके पास ज़मीन के वैध कागज़ात हैं; इससे बिना किसी बिचौलिए के किसानों को सीधा लाभ सुनिश्चित होता है। उन्हें मजबूरी में फसल नहीं बेचनी पड़ती और कीमतों में भारी गिरावट के दौरान किसानों की आमदनी स्थिर बनी रहती है। खरीद वर्ष 2024-25 से, मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत, दालों, तिलहन और खोपरा (कोपरा) की खरीद की अनुमति शुरुआत में किसी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के कुल उत्पादन के 25त्न तक दी गई है। इस सीमा से अधिक की अतिरिक्त खरीद को सचिवों की समिति द्वारा राष्ट्रीय उत्पादन के 25त्न तक मंजूरी दी जा सकती है। हालाँकि, घरेलू दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात को कम करने के लिए, तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की खरीद की अनुमति राज्य के उत्पादन के 100त्न तक दी गई है। मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) दालों, प्याज और आलू जैसी आवश्यक वस्तुओं का बफर स्टॉक बनाकर उपभोक्ताओं को कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाता है। इसकी स्थापना प्रमुख कृषि-बागवानी उत्पादों की कीमतों में स्थिरता लाने के लिए की गई थी। कीमतों में अचानक वृद्धि को नियंत्रित करने और उन्हें आम जनता की पहुंच में (किफायती) रखने के लिए कटाई के मौसम में वस्तुओं की खरीद की जाती है और गैर-फसल (कम आवक वाले) मौसम में उन्हें बाजार में जारी किया जाता है। पीएसएफ को अब पीएम-आशा में विलय कर दिया गया है, लेकिन इसका प्रबंधन अभी भी उपभोक्ता मामलों का विभाग ही करता है। मूल्य अंतर भुगतान योजना (पीडीपीएस) के तहत, किसानों की उपज को भौतिक रूप से खरीदा नहीं जाता है। इसके बजाय, अधिसूचित बाजारों में एमएसपी और वास्तविक बाजार मूल्य के बीच के अंतर का भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में किया जाता है। यह भुगतान एमएसपी मूल्य के अधिकतम 15त्न तक हो सकता है। यह योजना मुख्य रूप से तिलहन के लिए उपयोग की जाती है और बड़े पैमाने पर खरीद संबंधी अवसंरचना की आवश्यकता को कम करती है। यह योजना किसानों को एमएसपी का संरक्षण प्रदान करते हुए बाजार-आधारित बिक्री को बढ़ावा देती है। बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) को जल्दी खराब होने वाले कृषि और बागवानी उत्पादों की एक श्रृंखला की खरीद के लिए बनाया गया है। इसमें टमाटर, प्याज और आलू जैसे उत्पाद शामिल हैं, जिनके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू नहीं होता है। यह योजना तब लागू होती है जब बाजार की कीमतें पिछले सामान्य सत्र की दरों की तुलना में कम से कम 10त्न तक गिर जाती हैं। यह नेफेड और एनसीसीएफ जैसी केंद्रीय नोडल एजेंसियों द्वारा की जाने वाली प्रक्रियाओं के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच लागत-साझाकरण के माध्यम से काम करती है। यह योजना विशेष रूप से बंपर पैदावार (अत्यधिक आवक) की स्थिति में उपयोगी होती है, जब आपूर्ति मांग से अधिक हो जाती है।

मनुष्य के जीवन में मधुरता प्रसन्नता व समृद्धि का वास्तविक आधार संग्रह नहीं बल्कि देने की भावना है : निर्यापक मुनि श्री समतासागर जी महाराज

कुण्डलपुर (म.प्र.) (विश्व परिवार)। निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने कहा कि मनुष्य के जीवन में मधुरता, प्रसन्नता और समृद्धि का वास्तविक आधार संग्रह नहीं, बल्कि देने की भावना है। जो व्यक्ति दूसरों के हित में अपनी संपत्ति, समय और सामर्थ्य का उपयोग करता है, उसका जीवन नदी के समान मधुर बनता है, जबकि केवल अपने लिए संग्रह करने वाला व्यक्ति समुद्र के समान खारेपन को प्राप्त करता है। धर्मसभा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने कहा कि कभी इस बात पर विचार करना चाहिए कि निरंतर बहने वाली नदी का जल मीठा होता है, जबकि चारों ओर से जल अपने भीतर समेटने वाले समुद्र का पानी खारा होता है। नदी अपने जल को सभी के लिए प्रदान करती है। वह खेतों, जीव-जंतुओं और मानव जीवन को लाभ पहुंचाती हुई निरंतर आगे बढ़ती है। इसके विपरीत समुद्र सभी दिशाओं से आने वाले जल को अपने पास संग्रहित करता रहता है।

उन्होंने कहा कि यही सिद्धांत मनुष्य के जीवन पर भी लागू होता है। जो व्यक्ति देता है, वह मधुरता को प्राप्त करता है और सभी का बन जाता है, लेकिन जो केवल अपने लिए संग्रह करता है और परिग्रह में बंधकर स्वयं तक सीमित रहता है, उसका जीवन खारा हो जाता है।

मुनि श्री ने श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी आय का कुछ अंश धर्म, समाजसेवा और परोपकार के लिए निकालने का संकल्प ले। यह आवश्यक नहीं कि दान की शुरुआत बड़ी राशि से ही की जाए। व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार आधा प्रतिशत, एक प्रतिशत अथवा दो प्रतिशत राशि भी नियमित रूप से सेवा और परोपकार के कार्यों के लिए दे सकता है।

उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति एक रुपया कमाता है तो उसमें से एक पैसा देने की भावना विकसित करे। सौ रुपये कमाने पर एक रुपया और अधिक कमाई होने पर अपनी क्षमता के अनुसार अधिक राशि दान में लगाए। महत्वपूर्ण राशि नहीं, बल्कि देने की भावना और उसकी निरंतरता है। जो व्यक्ति नियमित रूप से दूसरों के लिए देना प्रारंभ कर देता है, वह धीरे-धीरे महान दानवीर बन सकता है।

मुनि श्री ने कहा कि अधिक सामर्थ्य रखने वाले लोग अधिक दान करें, यह श्रेष्ठ है, लेकिन सीमित आय वाले व्यक्ति को भी दान और सेवा से पीछे नहीं हटना चाहिए। छोटी शुरुआत भी समय के साथ बड़े परिवर्तन का कारण बनती है। शुभ भावना से किया गया दान व्यक्ति के जीवन में संतोष, उदारता और करुणा का विस्तार करता है।

मुनि श्री ने बड़े बाबा के चरणों में उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए मंगलकामना करते हुए कहा कि सभी लोग जिस श्रेष्ठ भावना और उत्साह के साथ बड़े बाबा के चरणों में आए हैं, उनके जीवन में भी वैसी ही ऊंचाइयां और आध्यात्मिक उपलब्धियां प्राप्त हों। उन्होंने सभी के सुख, शांति, समृद्धि और धर्ममय जीवन की मंगल भावना व्यक्त की। मुनि श्री ने कहा बड़े बाबा के दरवाजे खुले नहीं कि जब तक बंद नहीं होते बड़े बाबा का दरबार भरा रहता है आने जाने वाले लगे रहते हैं। रक्षाबंधन के दिन दोपहर में अनुष्ठान करेंगे इस दिन 700 मुनियों का उपसर्ग दूर हुआ था उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापन, भाव प्रदर्शित करने का अवसर है।

प्रशंसा से पिघलना मत, क्रोध से जलना मत, आलोचना से उबलना मत व अजनबी के शब्दों में फिसलना मत : अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। परम पूज्य पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता गणाचार्य श्री पुष्पदंत सागर महाराज के सानिध्य में व्रत चक्रवर्ती पटटविभुषन अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ पुष्पगिरी में वर्षायोग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में वहां विभिन्न धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रुंखला में सुबह। के प्रवचन में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि। हमने कहीं पढ़ा था ये प्रसंग - दो मित्र एक रेस्टोरेंट में भोजन करने गए। रेस्टोरेंट का बड़ा नाम था। ज्यों ही रेस्टोरेंट में प्रवेश किया, दरवाजे पर लिखा था - हिंदुस्तानी भोजन करना है, तो दाएं मुड़िए और चाइनीज भोजन करना है, तो बाएं मुड़िए। उन्होंने सोचा - हिंदुस्तानी भोजन तो हमेशा करते रहते हैं, आज चाइनीज भोजन करते हैं। और वे बाएं मुड़ गए। फिर एक दरवाजा पड़ा, उस पर लिखा था डालडा का खाना है, तो दाएं मुड़िए और देशी घी का खाना है, तो बाएं मुड़िए। उन्होंने सोचा यहां आ ही गए हैं, तो क्या डालडा का खाना? दिलेरी से शुद्ध देशी घी का माल खायेंगे, और वे फिर बाएं मुड़ गए। फिर एक दरवाजा पड़ा, उस पर लिखा था - नगद खाना है, तो दाएं मुड़े और उधार खाना है, तो बाएं मुड़े। उन्होंने कहा - मजा आ गया! शुद्ध देशी घी का और वो भी उधार मिल रहा है, तो भला कौन छोड़ेगा-? और वे झट से बाएं मुड़ गए, और ज्यों ही बाईं तरफमुड़े, कि बस दोनों होटल के बाहर, सड़क पर खड़े थे। और सामने लिखा था - अरे मूर्ख! यहां वहां क्या देखता है-? यहां तुम्हारे जैसे बेवकूफ और मुफ्तखोरों के लिए कोई जगह नहीं है। वह बेवकूफ और मुफ्तखोर और कोई नहीं, तुम ही तो हो। तुम्हारा मन ही है। आदमी के मन की भी तो यही हालत है।

संसार सुखमय है या दुखमय? असली सुख बाहर नहीं, मन की अनुभूति में है : साध्वी मंजुलाश्रीजी

रायपुर (विश्व परिवार)। आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत दादाबाड़ी में अध्यात्म सार ग्रंथ का पठन करते हुए सोमवार को साध्वी मंजुलाश्रीजी म.सा. ने संसार में सुख और दुख की वास्तविक अनुभूति पर चिंतन कराया। उन्होंने कहा कि संसार को केवल धन के आधार पर सुखमय या दुखमय मानना सही नहीं है। असली सुख और दुख मन की अनुभूति है और अज्ञान के कारण मनुष्य बाहरी वस्तुओं में सुख तलाशता रहता है।

साध्वीश्री ने कहा कि आज लोगों ने सुख और दुख का पैमाना धन को बना लिया है। जिसके पास अधिक पैसा है, उसे सुखी और जिसके पास कम पैसा है या जो आर्थिक संघर्ष कर रहा है, उसे दुखी मान लिया जाता है। लेकिन यदि धन ही सुख का आधार होता तो हर धनवान व्यक्ति हमेशा सुखी रहता और हर गरीब व्यक्ति हमेशा दुखी। वास्तविक जीवन में ऐसा नहीं है।

उन्होंने कहा कि पैसा जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने का साधन जरूर है, लेकिन वह मन की शांति और संतोष की गारंटी नहीं देता। कई बार बहुत अधिक धन-संपत्ति होने के बावजूद व्यक्ति चिंता, तनाव और बेचैनी में जीवन बिताता है, वहीं सीमित साधनों वाला व्यक्ति संतोष और प्रसन्नता के साथ जीवन जी सकता है।

साध्वी मंजुलाश्रीजी ने कहा कि हमारी समस्या संसार से ज्यादा हमारी दृष्टि की है। हम बाहर की वस्तुओं में सुख खोजते हैं और जब हमारी इच्छा पूरी होती है तो सुख का अनुभव करते हैं, जबकि इच्छा पूरी नहीं होने पर दुखी हो जाते हैं। इसी कारण मनुष्य परिस्थितियों और वस्तुओं को अपने सुख-दुख का कारण मान लेता है।

रायपुर के पाटनी टोयोटा कार शोरूम के अंदर पहली बार आयोजित हुई अनोखी 'भजन जैमिंग'

- पाटनी टोयोटा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 500 से अधिक श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा

रायपुर (विश्व परिवार)। एक अनोखे और अभूतपूर्व आयोजन में, रायपुर के लाभांडी स्थित Patni Toyota कार शोरूम के अंदर शनिवार शाम 'भजन जैमिंग' का एक भव्य सत्र आयोजित किया गया। मंदिर, ऑडिटोरियम या खुले मैदान जैसी पारंपरिक जगहों से इतर, इस व्यावसायिक शोरूम को भक्ति संगीत और कीर्तन के माहौल में बदल दिया गया।

इस इवेंट में 500 से ज़्यादा लोग शामिल हुए। आम तौर पर कार खरीदने वालों और शौकीनों से गुलज़ार रहने वाला शोरूम ज़बरदस्त म्यूज़िकल बीट्स, लाइव बैंड परफ़ॉर्मेंस और जोश भरी आवाज़ों से गूंज उठा।

जैसे-जैसे म्यूज़िक बैंड द्वारा भजनों की धुन तेज हुई, उपस्थित युवा, महिलाएं और परिवार अपनी जगह से उठकर झूमने लगे। सैकड़ों लोगों को हाथ उठाकर कीर्तन करते और भक्ति गीतों की धुन पर नृत्य करते देखा गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

'इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक सीमाओं को तोड़कर आधुनिक जीवनशैली के स्थानों में सामुदायिक भक्ति संगीत (कीर्तन) को लाना था। कारों की कतारों के बीच 500 से अधिक लोगों को भक्ति में लीन देखना एक अद्भुत अनुभव था।'

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं:
अनोखा स्थान: लाभांडी, रायपुर स्थित Patni Toyota कार शोरूम के अंदर आयोजित। **आयोजक:** Patni Toyota, **उपस्थिति:** 500 से अधिक युवा, महिलाएं और परिवार शामिल हुए। **संगीत व विषय:** लाइव म्यूज़िक बैंड द्वारा भजनों की धुनों पर जैमिंग। **सांस्कृतिक उद्देश्य:** आधुनिक लाइफ़स्टाइल स्पेस में आध्यात्मिक व सांस्कृतिक परंपराओं का सुंदर मिश्रण।

तीन दिन केवल दो बार सिर्फ गर्म पानी ग्रहण कर 150 तपस्वी करेंगे साधना

- श्री गिरनार नेमी तप का सामूहिक पारणा 28 अगस्त को

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास में श्री गिरनार नेमी तप की आराधना अंतिम चरण में पहुंच गई है। 22 दिवसीय इस तप के अंतिम तीन दिन 150 तपस्वी 25 अगस्त से तीन दिवसीय उपवास (तेला) करेंगे। इस दौरान वे केवल गर्म पानी ही ग्रहण करेंगे। तपस्वी सुबह धर्मसभा में मुनिभगवंत से मांगलिक प्राप्त करने के बाद तथा सूर्यास्त से पहले शाम 4.30 बजे तक जरूरत के अनुसार गर्म पानी ग्रहण करेंगे।

तीन दिनों तक निराहार रहकर होगी कठिन तपस्या

परम पूज्य मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. आदि थाणा की पावन निश्रा में 7 अगस्त से शुरू हुए इस तप में 150 तपस्वी आत्मकल्याण के उद्देश्य से साधना कर रहे हैं। 25,26 व 27 अगस्त को 150 तपस्वी आत्म-कल्याण और त्याग की भावना के साथ इस पावन तपस्या को संपूर्ण करेंगे। तीन दिनों तक निराहार कठिन तपस्या होगी। तप का पारणा 28 अगस्त शुक्रवार को होगा। श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कांकरिया और कार्यकारी अध्यक्ष अभय भंसाली ने बताया कि श्री गिरनार नेमी तप की तपस्या के निमित्त 26 अगस्त को मुनि भगवंतों की पावन निश्रा में मेंहदी-सांझी का कार्यक्रम होगा।

पूर्व महापौर स्व. बलवीर सिंह जुनेजा को पुण्यतिथि पर किया सादर नमन

- पूर्व महापौर स्व. बलवीर सिंह जुनेजा सहज स्वभाव के जनप्रतिनिधि थे : सुनील सोनी

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम के पूर्व महापौर स्व. बलवीर सिंह जुनेजा को उनकी पुण्यतिथि पर राजधानी शहर रायपुर के नगर पालिक निगम रायपुर के बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम परिसर के प्रांगण में स्थित उनके मूर्ति स्थल के समक्ष उन्हें सादर नमन करने रायपुर नगर निगम संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर निगम रायपुर जोन 4 के सहयोग से रखे गये संक्षित पुष्पांजलि आयोजन में पहुंचकर रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी ने रायपुर नगर निगम के पूर्व महापौर स्व. बलवीर सिंह जुनेजा को उनकी पुण्यतिथि पर मूर्ति स्थल पर सादर नमन किया।

रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी ने कहा कि रायपुर नगर निगम के पूर्व महापौर स्व. बलवीर सिंह जुनेजा सहज स्वभाव के जनप्रतिनिधि थे एवं सहज भाव से उन्होने अपने महापौर कार्यकाल में रायपुर शहर के विकास में अपना योगदान दिया। दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी ने कहा कि जबवे रायपुर नगर निगम के महापौर थे। तब उनके कार्यकाल में रायपुर में इंडोर स्टेडियम का निर्माण एवं लोकार्पण किया गया। तब पूर्व महापौर स्व. बलवीर सिंह जुनेजा के नाम से रायपुर नगर निगम के इंडोर स्टेडियम को नामकरण बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम रखा गया एवं उनकी स्मृति में उनकी मूर्ति इंडोर स्टेडियम के परिसर में रायपुर नगर निगम के माध्यम से लगवायी गयी जहां हर वर्ष स्व. बलवीर सिंह जुनेजा का सादर नमन करने उनकी जयंती एवं पुण्यतिथि पर रायपुर नगर निगम संस्कृति विभाग एवं जोन 4 द्वारा पुष्पांजलि आयोजन रखा जाता है।

चरौदा में श्रावण मानस महोत्सव में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

आरंग (विश्व परिवार)। सोमवार को समस्त ग्रामवासी और ग्राम पंचायत चरौदा के तत्वावधान में श्रावण मानस महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ की नामचीन मानस मंडलियों को आमंत्रित किया गया।महोत्सव में शीतला संदेश मानस मंडली बैहार, ओम बालिका मानस मंडली लखौली, सरोवर मानस मंडली चरौदा (खल्लारी), हंस वाहिनी महिला मानस मंडली कलई, जय बजरंग मानस मंडली समोदा, मंगला महिला मानस मंडली परसकोल (महासमुंद), दुर्गेश मंगलम जगराता ग्रुप खेराडेरा (उड़ीसा) और मां की प्रेरणा मानस मंडली आरंग की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं का मन मोह लिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महोत्सव में शामिल होकर कार्यक्रम का आनंद लिया।

इस अवसर पर सरपंच देवशरण धीवर ने कहा कि ऐसे आयोजनों से गांव में सामाजिक सद्भाव और समरसता बढ़ती है। कार्यक्रम के आयोजन संयोजन में रवि बंजारे, प्रेमलाल साहू, नरेन्द्र यादव, अमित साहू, रेखराज धीवर,समस्त ग्राम समिति, ग्राम पंचायत सहित ग्रामीणों की अहम् भूमिका रही।

चन्द्राकर समाज द्वारा प्रतिभा सम्मान एवं सावन उत्सव कार्यक्रम संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। चंद्रनाहूं कुर्मी क्षत्रिय समाज रायपुर द्वारा प्रतिभा सम्मान एवं सावन उत्सव का आयोजन मंगल भवन चंद्राकर छात्रावास डंगनीया रायपुर में संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि माननीय श्री दिनेश चंद्राकर जी केंद्रीय अध्यक्ष,अध्यक्षता डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर अध्यक्ष चंद्रनाहूं कुर्मी क्षत्रिय समाज रायपुर, विशिष्ट अतिथि माननीय श्री केशव नायक राम चंद्राकर राज अध्यक्ष, पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष मान.श्री अश्विनी चंद्राकर, मान. श्रीमती मनीषा चंद्राकर, पूर्व राज अध्यक्ष मान.श्री वतन चंद्राकर, श्री बसंत चंद्राकर, सचिव श्री हुलास चंद्राकर, लक्ष्मी नारायण चंद्राकर के आतिथ्य में संपन्न हुआ। सभी अतिथियों ने समाज को सही दिशा में ले जाने एवं युवा प्रतिभा को आगे आने का आह्वान किया।

इस अवसर पर समाज के प्रतिभावान श्री रवि कुमार चंद्राकर सहायक अभियंता सीएसईबी रायपुर, श्री कृष्ण कुमार चंद्राकर सहायक पुलिस आयुक्त पंडरी, डॉ निधि चंद्राकर, श्री प्रयाग चंद्राकर सहायक विस्तार अधिकारी, कु. विभूति चंद्राकर सॉफ्टवेयर इंजीनियर, श्री वेदांत चंद्राकर चार्टर्ड अकाउंटेंट, श्री वात्सल्य चंद्राकर, मौली चंद्राकर का शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह,पेन, गुलदस्ता,प्रदान कर अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में सचिव श्रीमती किरण चंद्राकर, कोषाध्यक्ष अनिल चंद्राकर, उपाध्यक्ष हरिशंकर चंद्राकर, ट्रस्ट कमेटी सदस्य केदार चंद्राकर, महिला सदस्य डॉ. सरोज चंद्राकर, महिला अध्यक्ष योगिता चंद्राकर, युवा अध्यक्ष धर्मेंद्र चंद्राकर, कार्यकारिणी सदस्य होमोकांत चंद्राकर, नेहरू चंद्राकर, कमल नारायण चंद्राकर, जितेंद्र चंद्राकर, चंद्रकुमार चंद्राकर, गोकुल चंद्राकर सहित समाज के सभी प्रतिष्ठित गणमण्य प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन किरण चंद्राकर एवं योग्यता चंद्राकर ने किया।

मनुष्य-जीवन अनमोल है, दुर्लभता से प्राप्त है : विशुद्ध सागर जी गुरुदेव

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। दिल्ली में विराजित दिगंबर जैन श्रमण-संस्कृति के उन्नायक पट्टाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी गुरुदेव ने धर्म-सभा में सम्बोधन करते हुए कहा था-

मनुष्य-जीवन अनमोल है। दुर्लभता से प्राप्त है। व्यक्ति को प्रतिक्षण जाग्रत रहना चाहिए। हमेशा कुशल-कार्य करना चाहिए। आपका एक प्रयाश किसी की जिंदगी को रोशन कर सकता है।

एक सूर्य की किरण अंधकार को नष्ट कर देती है। गुरु की एक लकीर जिंदगी बदल देती है। अग्नि की एक चिंगारी विशाल ईंधन को जलाकर भष्म कर देती है। सा एक शत्रु जीवन को अशांत कर देता है। एक भूल जीवन में शूल बन जाती है। एक चूक जीवन का अंत कर देती है। एक निर्णय जीवन की धारा को बदल देती है।

एक बोट से नेता चुनाव हार सकता है। एक अंक से व्याक विद्यार्थी अनुतीर्ण हो जाता है। एक बूँद विष भोजन को विषाक्त कर देती है। एक मल की कणिका से भोजन अशुद्ध हो जाता है। कषाय की एक कणिका साधक की साधना को भंग कर देती है। एक बूँद से ही इंसान का जन्म होता है। एक बूंद सीप में गिरकर मोती बन जाती है। एक क्षण की कषाय व्यक्ति को कलंकित कर देती है।

सत्य जानो, सत्य मानो

सत्य जानने के लिए पुरुषार्थ आवश्यक है। सत्य जानना कठिन है। व्यक्ति सत्य को नहीं जानकर ही दु:खी होता है। सत्य जानना, सत्य मानना अत्यंत अत्यंत दुर्लभ है। जो सत्य को जानता है, वह कभी

वास्तु कैसे ठीक करें

जिस घर में गुरु का आशीष नहीं, बुजुर्ग जनक - जननी का सम्मान नहीं, उस घर का वास्तु कभी ठीक नहीं होता, है। जो कटु वचन है, वही तुम्हारे घर का वास्तु खराब करता है। घर को स्वर्ग बनाना है, तो परस्पर विनय करो, मिश्श्री-से मधुर वचन बोलो, संतुलित शाकाहार करो। भोजन सही होगा, तो घर का वास्तु भी ठीक होगा। परस्पर का प्रेम-वात्सल्य ही वास्तु ठीक करता है। कषाय जन्य अशुभ भाव, अशुभ भाषा, अशुभभेष ही अमल है। भाव-मंगल ही प्रधान-मंगल है। जब भाव-मंगल होता है, तो सब मंगल-ही-मंगल होता है। जीवन मंगलमय करना है, तो भावों को मंगल करो।

स्वादिस्ट भोजन, मधुर विनयपूर्ण वाणी, सादा वस्त्र, पूरक आहार, स्वच्छ वायु, आकर्षक मुख-मुद्रा से भी वास्तु ठीक होता है।

उत्साह महान् शक्ति

व्यक्ति को अपना बनाना हो, तो उसकी प्रशंसा करो। उत्साह शक्ति महान शक्ति है। प्रशंसा, पुरस्कार से उत्साह का संचार होता है। सफलता के लिए उमंग, उत्साह बहुत आवश्यक है। उत्साह वंक जो कार्य करोगे, वह विशिष्ट- फल प्रदान करता है।

रिद्धि किशोर व डंडा को सृजन सम्मान समारोह

लखनऊ (विश्व परिवार)। यू पी प्रेस क्लब व उत्तर प्रदेश साहित्य सभा द्वारा आज 172 वां सृजन सम्मान वरिष्ठ हास्य कवि डॉ डंडा लखनवी व गोमती सफाई अभियान के समर्पित कार्यकर्ता रिद्धि किशोर गौड़ को, हसीब सिद्दीकी सर्वेश अस्थाना, शिवशरण सिंह मुकुल महान व डॉ सुभाष गुरुदेव ने दिया। रिद्धि किशोर गौड़ ने जल संचयन के तरीके व जल को प्रदूषण से मुक्त करने के उपाय बताये।

इसके पश्चात अरविंद झा के संयोजन व संचालन तथा सच्चिदानंद शलभ की अध्यक्षता में राजीव वर्मा वत्सल की वाणी वंदना से प्रारंभ कविसम्मेलन में रवि शंकर रवि, प्रभात शंकर, मधु पाठक मांझी, रश्मि शरद, तमाचा लखनवी, प्रतिभा श्रीवास्तव, सुरभि सिंह, प्रमोद श्रीवास्तव, विशाल श्रीवास्तव, योगी योगेश शुक्ल, डॉ सुभाष रसिया, विजय अग्रहरि आलोक, प्रभा अरोरा, विजय तन्हा, ठेठ लखनवी, रणवीर बहादुर, सरल तिलहरी, नीलम दीक्षित, अनिता सुधीर, प्रो जहाँ आरा, अनिता अरोरा, प्रवीण आवारा, गंगेश मिश्र, मधुकर नाथ, शकुंतला श्रीवास्तव, पूर्णिमा भसीन, डॉ राकेश प्रताप सिंह आदि ने शानदार मुक्तक पढ़ कर वातावरण को रसमय किया। धन्यवाद ज्ञापन मुकुल महान ने किया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, मंगलवार 25 अगस्त 2026

सड़क सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

त्यौहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने पर हुई चर्चा

हेलमेट नहीं, तो पेट्रोल नहीं की व्यवस्था होगी लागू

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-कलेक्टर श्रीमती रेना जमील एवं पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल ने आज सड़क सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक लेकर जिले की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में आगामी मिलाद-उन-नबी एवं रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही जिले में सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर करने की दिशा में सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती नयन तारा सिंह तोमर, श्री जगन्नाथ वर्मा, एसडीओपी श्री अभिषेक पैकरा, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिले में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति को देखते हुए सड़क सुरक्षा के उपायों की समीक्षा की। उन्होंने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों एवं ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर आवश्यकतानुसार रंबल स्ट्रिप, सड़क संकेतक, साइन एजेंस एवं पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसमें नेशनल हाईवे सहित एक्सीडेंट प्रोन एरिया में सभी आवश्यक यातायात संकेतक लगाने तथा सड़कों की कमियों को दूर करने

के निर्देश भी दिए गए।

आरटीओ विभाग को ओवरलोडेड वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा स्कूल बसों एवं स्कूल वैन की जांच कर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई करने को कहा गया। हेलमेट के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाने तथा बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों को पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल नहीं दिए जाने संबंधी व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

कलेक्टर ने सड़कों पर मवेशियों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ऐसे स्थानों को चिन्हित करने के निर्देश दिए, जहां अक्सर मवेशी सड़क पर बैठते हैं। उन्होंने सुरक्षा उपायों के साथ मवेशियों को सड़क से हटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

नाबालिगों के वाहन चलाने पर होगी कार्रवाई:- बैठक में नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मामलों पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने सभी स्कूल प्रशासन को निर्देशित किया कि नाबालिगों के वाहन चलाने पर होने वाली कार्रवाई के संबंध में विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को स्पष्ट रूप से सूचित किया जाए। अभिभावकों से भी नाबालिगों को वाहन न देने के लिए जागरूक करने को कहा गया।

त्यौहारों को देखते हुए कानून व्यवस्था की समीक्षा:- कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने आगामी मिलाद-उन-नबी एवं रक्षाबंधन पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए कानून व्यवस्था की समीक्षा की। अधिकारियों को संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, जुलूस एवं धार्मिक आयोजनों के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु रखने तथा आवश्यकतानुसार पुलिस बल की तैनाती करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में धरना-प्रदर्शन, रैली एवं अन्य सार्वजनिक आयोजनों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों को ऐसे आयोजनों की पूर्व सूचना एवं अनुमति की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा संवेदनशील स्थानों पर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से फैलने वाली भ्रामक अथवा अफवाहजनक सूचनाओं पर भी निगरानी रखने को कहा गया।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने दिवंगत प्रधान आरक्षक के पुत्र को दी आरक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-पुलिस अधीक्षक श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) ने दिवंगत प्रधान आरक्षक के पुत्र विकास सिंह को सोमवार, 24 अगस्त 2026 को आरक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान किया है। उन्होंने बताया इनके दिवंगत पिता प्रधान आरक्षक मनोज सिंह जिला सूरजपुर में पदस्थ थे। नौकरी के दौरान आकस्मिक मृत्यु होने पर आईजी सरगुजा रेंज श्री दीपक कुमार झा ने अनुकंपा नियुक्त के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अनुकंपा नियुक्ति संबंधी सभी कार्रवाई जल्द पूरी करते हुए नियुक्ति देने के निर्देश दिए थे। सोमवार को विकास सिंह को आरक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है। इस दौरान नवनियुक्त आरक्षक की माँ बबीता सिंह व भाई आकाश सिंह उपस्थित रहे।

सैमसंग टीवी प्लस इंडिया ने 200 चैनलों तक किया विस्तार, एनएच स्टूडियोज़ के साथ साझेदारी

रायपुर: सैमसंग टीवी प्लस इंडिया ने अपनी सामग्री पेशकश को 200 स्ट्रीमिंग टीवी चैनलों तक विस्तारित किया है, जिससे भारत में लाखों दर्शकों को मनोरंजन के अधिक विकल्प मिलेंगे। इस विस्तार के तहत सैमसंग टीवी प्लस ने एनएच स्टूडियोज़ के साथ साझेदारी कर दो नए चैनल—आशीर्वाद टीवी और थलाइवर हिट्स—लॉन्च किए हैं। ये चैनल देशभर के दर्शकों तक कालजयी पौराणिक कहानियाँ और प्रतिष्ठित भारतीय सिनेमा पहुँचाएंगे। भारत के कनेक्टेड टीवी इकोसिस्टम में अपने बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करते हुए सैमसंग टीवी प्लस इंडिया को बीसीएस रत्न अवॉर्ड्स में 'सीटीवी प्लेटफ़ॉर्म ऑफद ईयर' के सम्मान से भी नवाज़ा गया है। विश्वभर में 10 करोड़ से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं के साथ Samsung टीवी प्लस दुनिया की सबसे बड़ी सब्सक्रिप्शन-रहित स्ट्रीमिंग सेवाओं में से एक है, जो Samsung स्मार्ट टीवी में पहले से इंस्टॉल रहती है।

श्याम मेटलिक्स फाउंडेशन ने विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य जागरूकता कैंपेन चलाया

विश्व स्तनपान सप्ताह 2026 के तहत श्याम मेटलिक्स फाउंडेशन ने पश्चिम बंगाल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य जागरूकता कैंपेन चलाया। इस पहल का उद्देश्य स्तनपान से जुड़ी सही जानकारी और जागरूकता को बढ़ावा देना तथा माताओं और शिशुओं के लिए स्वस्थ शुरुआत सुनिश्चित करना था। एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) केंद्रों के सहयोग से आयोजित इस कैंपेन के तहत बहादुरपुर और हिजलगोरा पंचायतों की 120 गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं तक पहुंच बनाई गई। कैंपेन में स्तनपान के प्रति जागरूकता, मातृ स्वास्थ्य और शिशु पोषण पर विशेष जोर दिया गया। कैंपेन में माताओं, स्वास्थ्यकर्मियों और समुदाय के सदस्यों ने हिस्सा लिया। संवादात्मक सत्रों के दौरान बच्चे के शुरुआती विकास में स्तनपान के महत्व पर चर्चा की गई। इसके साथ ही मातृ पोषण, निवारक स्वास्थ्य देखभाल और माताओं एवं बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए परिवार के सहयोग की भूमिका पर भी जानकारी साझा की गई। फाउंडेशन ने इस बात पर जोर दिया कि जागरूकता स्वस्थ समुदायों के निर्माण की दिशा में पहला कदम है।

हेवाब की कॉलेज रोमांस कहानी ने लिया नया मोड़, कलर्स का 'तू जूलियट जट्ट दी' चार साल की लीप के साथ

कलर्स के शो 'तू जूलियट जट्ट दी' अपनी लव स्टोरी से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब कॉलेज का नया सिलेबस लिखने जा रहा है। शो में चार महीने का लीप आते ही कैंपस में रोमांस, राइवलरी और ड्रामा की नई शुरुआत होगी। हीर और नवाब का रिश्ता पहले ही कई दिल टूटने वाले मोड़ देख चुका है, लेकिन अब उनकी कहानी और भी उलझने वाली है। चार महीने बाद हीर (जसमीत कौर) और नवाब (सैयद रज़ा अहमद) सीनियर ईयर में दाखिल हो चुके हैं। नवाब, जो पहले जिंदगी को हल्के-फुल्के अंदाज़ में जीता था, अब जिम्मेदारियों को संभालते हुए गंभीर हो गया है। वहीं हीर हर मौके पर उसे ताना मारती है, और दोनों के बीच की ठंडी जंग अधूरी भावनाओं को और गहरा कर देती है। और ठीक उसी समय जब सीनियर्स को लगा कि उन्होंने कैंपस के हर ट्विस्ट देख लिए हैं, कॉलेज के गेट से एक नई बैच एंट्री करती है और हीर और नवाब की दुनिया में नई वाइब लेकर आती है।

पंप चोरी मामले में ग्रामीणों ने लगाया आरोप, पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच एवं कार्रवाई की मांग

ग्राम पंचायत व ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-जिले के ग्राम द्वारिकानगर एवं आसपास के गांवों में किसानों के पंप चोरी का मामला अब तूल पकड़ता नजर आ रहा है। मामले को लेकर ग्राम पंचायत द्वारिकानगर एवं ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक सूरजपुर को लिखित शिकायत सौंपकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में कुछ लोगों पर पंप चोरी के मामले में झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने, ग्रामीणों पर दबाव बनाने तथा वास्तविक आरोपियों को बचाने का प्रयास करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

ग्रामीणों की शिकायत के अनुसार, गांव में किसानों के सिंचाई पंप सहित केबल, पीडीएस दुकान का सामान एवं अन्य सामग्री चोरी होने की घटनाएं सामने आई हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पंप चोरी के मामले में कृष्णा पंडो उर्फछोटन एवं अन्य लोगों की भूमिका को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस को जानकारी दी थी। इसके बाद कुछ संदिग्ध लोगों के नाम सामने आने के बावजूद मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि राहुल दुबे, हिरेन्द्र सिंह और अमित सिंह द्वारा कथित रूप से झूठी रिपोर्ट के माध्यम से पंप मालिक हीराधन एवं भूपेन्द्र राजवाड़े के खिलाफ दबाव बनाने और उन्हें फंसाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के बजाय कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने से वास्तविक स्थिति सामने नहीं आ पा रही है। ग्रामीणों ने शिकायत में यह भी उल्लेख किया है कि पुलिस को पूर्व में चोरी की घटना और उसमें शामिल लोगों के संबंध में जानकारी दी गई थी। इसके बावजूद कई आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया गया है। वहीं, चोरी के पंपों को बरामद कर वास्तविक मालिकों को वापस दिलाने की मांग भी की गई है।

शिकायत में ग्राम द्वारिकानगर एवं आसपास के क्षेत्रों के कई ग्रामीणों के पंप चोरी होने का उल्लेख किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि चोरी की घटनाओं के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके बावजूद मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से चोरों के हौसले बढ़ रहे हैं। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस के कुछ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। शिकायत में पुलिस कर्मचारियों पर आरोपियों से मिलीभगत करने और मामले को प्रभावित करने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, ये सभी आरोप शिकायतकर्ताओं द्वारा लगाए गए हैं

ग्राम पंचायत द्वारिकानगर एवं ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक सूरजपुर से मांग की है कि राहुल दुबे, हिरेन्द्र सिंह एवं अमित सिंह द्वारा कथित रूप से दर्ज कराई गई रिपोर्ट की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही पंप चोरी के मामले में शामिल सभी संदिग्धों की जांच कर चोरी गए पंप एवं अन्य सामान बरामद कराया जाए तथा दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि मामला केवल पंप चोरी तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे किसानों के भरोसे और सुरक्षा का सवाल भी जुड़ा हुआ है। अब पूरे मामले में पुलिस अधीक्षक स्तर से जांच और कार्रवाई पर ग्रामीणों की नजर टिकी हुई है।

जमदग्नि मुनि की तपोभूमि देवगढ़ शिव धाम में चौथे सावन सोमवार को भक्तों का जनशैलाब

भक्तों ने भक्ति भाव से किया भगवान शिव का रुद्राभिषेक विशाल भंडारा में हुए शामिल

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-श्रावण मास के पावन अवसर पर जमदग्नि ऋषि की तपोभूमि देवगढ़ धाम स्थित अर्धनारीश्वर शिवलिंग में लगातार चौथे सावन सोमवार को भी विशेष पूजा-अर्चना, महारुद्राभिषेक एवं सहस्त्रार्चन का आयोजन किया गया। राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद के सदस्य सुभाष गोयल एवं उनके अनुज, समाजसेवी अम्बिकापुर निवासी विजय गोयल के द्वारा श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ भगवान भोलेनाथ का गन्ने के रस, सरसों तेल एवं गंगाजल से महारुद्राभिषेक किया गया।

इस दौरान लाखों की संख्या में बेलपत्र, समीपत्र, पुष्प, काली तिल, जौ, मूंग दाल, अखंड अक्षत सहित विभिन्न पूजन सामग्रियों से भगवान अर्धनारेश्वर शिवलिंग का सहस्त्रार्चन किया गया। पूजा-अर्चना के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। उक्त आयोजन में रूप से क्क रुप से बजरंग लाल अग्रवाल, अंबिकापुर निवासी रामचंद्र अग्रवाल, रमेश दनोदिया, पार्षद चन्दन सिंह, मोहल लाल अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल सहित हजारों संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। देवगढ़ धाम में भक्तिमय वातावरण के बीच भगवान भोलेनाथ के जयकारे गूंजते रहे। आयोजकों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए भंडारे एवं अन्य व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया। आयोजन को सफल बनाने में नगर पंचायत उपाध्यक्ष अंशुल गोयल, पार्षद बृजेन्द्र सिंह, पार्षद संतोष जायसवाल, रमेंद्र सिंह उर्फ नूनू सिंह, लखन सोनी, रामाश्रय यादव उर्फ मोनी बाबा, श्रीराम पांडे, सुरेश पांडेय, गौरव गोयल, शानू सिंह, नीरज गोयल, पीयूष तिवारी सहित बड़ी संख्या में शिवभक्तों का सक्रिय सहयोग रहा।

2 करोड़ का गांजा जब्त, अंतर्राज्यीय तस्करी नेटवर्क पर गरियाबंद पुलिस का बड़ा प्रहार

गरियाबंद (विश्व परिवार)। ऑपरेशन निश्चय के तहत गरियाबंद पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 400 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ रुपये बताई गई है। कार्रवाई में महाराष्ट्र और ओडिशा से जुड़े अंतर्राज्यीय तस्करी नेटवर्क के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार 24 अगस्त की रात देवभोग थाना क्षेत्र के ग्राम खुटगांव स्थित अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट, ह्॥-130ष्ट पर वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान ओडिशा की ओर से आ रहे नारंगी रंग के आयशर वाहन क्रमांक MH 06 BW 4144 को रोककर तलाशी ली गई। वाहन की छत पर काले तिरपाल के नीचे अलग-अलग पैकेटों में गांजा छिपाकर रखा गया था। जांच में कुल 400 किलो गांजा बरामद हुआ।

पूछताछ में वाहन सवार संतोष अनंता मोहिते और सुमित सुभाष थोड़वे ने बताया कि उनके आगे नीले रंग की ग्लैमर मोटरसाइकिल क्रमांक OD 08 W 5814 पर दो लोग रास्ता बताते हुए चल रहे हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल सवार पंकज अनंता मोहिते और जलंधर खम्हारी को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने गांजा सप्लाई करने वाले ओडिशा निवासी विनोद दिसारी को भी गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से गांजा के क्रय-विक्रय में प्रयुक्त 5 लाख रुपये बरामद किए गए। मौके से कुल 6.50 लाख रुपये नकद, तीन मोबाइल फोन, आयशर वाहन और मोटरसाइकिल जब्त की गई।

पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ NDPS एक्ट की धारा 20(B)(ii)(C) के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस की इस कार्रवाई को अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

कोयलांचल विश्रामपुर के विभिन्न शिवालयों में भक्तों ने किया भोलेनाथ का जलाभिषेक

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-देवों का देव भगवान शिव शंकर जी का श्रावण मास का अंतिम सोमवार पर भक्तों ने विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक के साथ विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किया जानकारी के अनुसार विश्रामपुर के श्री गौरीशंकर मंदिर में श्रावण मास के अंतिम सोमवार को प्राचीन वैदिक परंपरानुसार शिवजी के शिवलिंग पर श्रद्धालुओं के द्वारा जल,गंगाजल दूध, शहद, घी, इत्र, चंदन, भांग एवं पंचामृत से अभिषेक कर शिवजी का आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त कर पुण्य के भागीदार बने। श्री गौरीशंकर मंदिर समिति के द्वारा इस पावन अवसर पर मंदिर की फूलों से साज सज्जा,कीर्तन भजन के साथ भोग प्रसाद की व्यवस्था की गई थी, इस निमित्त समिति के सभी सदस्य सक्रिय रहे।

बिश्रामपुर के बस स्टैंड में दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर परिसर में स्थित भगवान भोलेनाथ का पार्वती शिवलिंग पर शिव भक्तों ने जलाभिषेक कर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान कराया इसी प्रकार आरटीआई कॉलोनी स्थित बाबा अमरनाथ शिव मंदिर में शिव भक्तों ने विधि विधान से जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की इसी प्रकार समलेश्वरी महामाया मंदिर परिसर स्थित बाबा भोलेनाथ का मंदिर में शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया विश्रामपुर के मुख्य बाजार स्थित और राधा कृष्ण मंदिर परिसर में भगवान भोलेनाथ शिव मंदिर में भक्तों ने जिला अभिषेक किया इसी तरह उम्दा गौरी शंकर मंदिर में भक्तों ने सुबह से भगवान शंकर का जिला अभिषेक करते रहे। इस तरह पूरा कोयलांचल क्षेत्र भगवान शिव के भक्ति में सराबोर नजर आया।

गरियाबंद के विकास को मिलेगी रफ्तार, कलेक्टर रणबीर शर्मा ने तय किया रोडमैप

शिक्षा, पर्यटन, सड़क और जनसुविधाओं पर रहेगा विशेष जोर; केंद्रीय विद्यालय व आधुनिक पुस्तकालय की पहल

गरियाबंद (विश्व परिवार)। नवपदस्थ कलेक्टर रणबीर शर्मा ने जिले के विकास को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट करते हुए शिक्षा, पर्यटन, सड़क और जनसुविधाओं केंद्र विस्तार पर विशेष जोर दिया है। पत्रकारों से परिचयात्मक बैठक में उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

जिला मुख्यालय में निर्माणाधीन सड़कों का कार्य जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क और पर्यटन सुविधाएं जिले के विकास को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

कलेक्टर ने जिले में केंद्रीय विद्यालय खोलने की दिशा में पहल, आधुनिक पुस्तकालय की स्थापना और जिला मुख्यालय के ईको पार्क के पुनर्विकास की बात कही। साथ ही निर्माणाधीन सड़कों को जल्द पूरा कराने और गुणवत्ता की नियमित निगरानी के निर्देश दिए।

उन्होंने शिक्षकों को समय पर विद्यालय पहुंचने, नियमित कक्षाएं संचालित करने तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति पर विशेष ध्यान देने को कहा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना शिक्षकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

पर्यटन के क्षेत्र में भी गरियाबंद की प्राकृतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत को नई पहचान दिलाने पर जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि बेहतर सड़क और पर्यटन सुविधाओं के विकास से जिले की आर्थिक एवं विकास गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

बैठक में जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे, जिला जनसंपर्क अधिकारी हेमनाथ सिदार सहित जिले के मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी विद्यालय में साइकिल वितरण कार्यक्रम, विधायक पुरन्दर मिश्रा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जताया आभार

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ड्डब्रूस कॉलोनी स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आज छात्राओं को साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने बेटियों को साइकिल वितरित कर उन्हें उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

साइकिल पाकर छात्राओं के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास की चमक देखने को मिली। विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि बेटियों की शिक्षा में सुविधा और प्रोत्साहन बढ़ाना, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। साइकिल मिलने से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी और शिक्षा की राह और सुगम बनेगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और बालिकाओं के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य कर रही है। छात्राओं के हित में संचालित योजनाएं उन्हें आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर प्रदान कर रही हैं। इस महत्वपूर्ण पहल के लिए विधायक श्री मिश्रा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी का आभार व्यक्त किया।उन्होंने छात्राओं से कहा कि वे अपने सपनों को बड़ा आकार दें, पूरी लगन और मेहनत के साथ पढ़ाई करें तथा जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उसे हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि आज की बेटियां केवल परिवार ही नहीं, बल्कि समाज और देश के भविष्य की मजबूत आधारशिला हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./34595/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34595
वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **30** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331B0218A** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANOJ ROY CHOUDHURY** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE M.B. ROY CHOUDHURY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DEEPA ROY CHOUDHURY** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O LATE. MANOJ ROY CHOUDHURY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./34682/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34682
वार्ड का नाम-47- मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **47** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR443D00110** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAMAL MAHRAJ** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O HUKUMCHAND** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ROHIT BHARDWAJ** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O KAMAL BHARDWAJ** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./34687/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34687
वार्ड का नाम-47- मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **47** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR443D00126** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HUKUMCHAND** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE JAGANNATH BHARADWAJ** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. KAMAL BHARDWAJ 2. JITENDRA BHARDWAJ 3.RAVINDRA BHARDWAJ** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE. HUKUMCHAND BHARDWAJ** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./34728/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34728
वार्ड का नाम-29- गुरू गोविन्द सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **29** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR334A00129** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1.SHAKUNTALA SHARMA W/O LATE RAMDAYAL SHARMA 2. SMT.KARUNA SHARMA W/O RAJENDRA SHARMA, 3. KIRAN BRAMHBHATT W/O SHAILENDRA BRAMHBHATT, 4 KALPANA BHATT W/O VEDPRAKASH BHATT** पिता/पति श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AMAN BAJAJ** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O GIRDHARI LAL BAJAJ** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./34750/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34750
वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **30** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331D00068** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. RITA DUBEY** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O RAMESH KUMAR DUBEY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANUKUL AKASH DUBEY** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE. RAMESH KUMAR DUEBY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34751/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34751
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **50** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446Q00774** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **TEJESH MUKHERJEE , PRERNA MUKHERJEE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JOY MUKHERJEE , TEJESH MUKHERJEE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PUSHPA CHOUDHARY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **P.L. CHOUDHARY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34735 / न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34735
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **50** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446O0364B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANTRAM KOSARIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BUDHU RAM KOSARIYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KAMLESH KOSARIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SANTRAM KOSARIYA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **सहमति पत्र एवं आधार पत्र के आधार पर** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34734/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34734
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **50** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446O00021** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHANDRIKA SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JIVENDRA SINGH CHANDEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **POOJA PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AJAY PATEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./ 34733/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34733
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **50** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446P00416** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUDIPT BOSE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SISHIR KUMAR BOSE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MANISHA NATAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIVEK VICTOR NATAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34732 / न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34732
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **50** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446Q1066B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **TOSHANT KUMAR NAYAK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BAHADUR SINGH NAYAK** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAMESH KUMAR PARATE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **WAMAN RAO PARATE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34720/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34720
वार्ड का नाम- 54 - कमारेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **54** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652J00742** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT NAZUL TULSI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHAMAN LAL SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JYOTI THAKUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. DURGA PRASAD THAKUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34644/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34644
वार्ड का नाम- 54 - कमारेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **54** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652N0847B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **M/S AYUSH CONSTRUCTION DWARA- DILESHWAR SONWANI, LAXMI SONWANI , NAVAL SONWANI , BHARTI SONWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KALAM PRASAD SONWANI , MAVAL KUMAR , KALAM PRASAD , DILESHWAR SONWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **TRIPTI DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DIPENDRA DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34621/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34621
वार्ड का नाम- 54 - कमारेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **54** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652R00787** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GURUDAYAL SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHAGATRAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DASHODA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHUBLAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34616/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34616
वार्ड का नाम- 54 - कमारेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **54** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652R0890A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GEETA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NANDLAL BARIK** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHUBHANGI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIJAY SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34611 / न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34611
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **56** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446G00087** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ASHOK KUMAR DEONANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KC DEONANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. PUSHPA DEVNANI 2. BHAVESH DEVNANI 3. GARIMA DEVNANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. ASHOK DEVNANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34609/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34609
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **50** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446P00002** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NAZMA KHATUN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAMMED AZIM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRISTI SONI AND SOURABH SONI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SOURABH SONI AND SANTOSH SONI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34607/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34607
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **50** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446K00848** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. NOOPUR KUJUR , 2. AMITABH BANWAR, 3. AVANEESH BANWAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SAMUEL PRAKASH KUJUR , P.C. BANWAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AVNEESH BANWAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRAVEEN CHANDRA BANWAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34575/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34575
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **50** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445B0063A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MEHAR SINGH VISHVKARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARVANSH SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRMIN VISHVKARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. MEHAR SINGH VISHVKARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मृत्यु प्रमाण पत्र, सपथ पत्र एवं सहमति पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34574/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34574
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **56** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446H00002** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KRISHNA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **METHARAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NARENDRA RATHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LALCHAND RATHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34557/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34557
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **56** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446C00333** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUNDARI BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARPAL DAS GOEDWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ASHISH MAHOBIA AND SWATI MAHOBIA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **K.K. MAHOBIA AND ASHISH MAHOBIA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34555/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34555
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **52** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446L00122** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT NAZUL KRISHNA BAI SEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SURESH SEN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DHARMENDRA KUMAR SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW RAMESHWAR PRASAD SHUKLA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34554/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34554
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **52** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446N01087** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KABIJ-USHA BAI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. MANNU SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **URVASHI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AJU RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनाम एवं शपथ पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34443/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34443
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **56** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446A00316** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MUKESH ROCHLANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **FERUMAL ROCHLANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **OM GEHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HEMANDAS GEHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34714/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34714
वार्ड का नाम-69- माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **69** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568G00223** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. RITESH GUPTA 2. RAHUL KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANDRAMANI PRASAD GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. ISHWARI SINGOUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI SURESH SINGOUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 25 अगस्त 2026

कलेक्टर रोहित व्यास ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा की

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने आज कलेक्टरेट सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की बैठक लेकर जिले में विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास, सीखने की क्षमता बढ़ाने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए संचालित नवाचारों एवं विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने और शिक्षा को अधिक प्रभावी एवं रुचिकर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

श्रमिक परिवारों के बच्चों को मिल रही उत्कृष्ट शिक्षा, उनके सपनों को पंख देना हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

■ श्रमिक परिवारों के बच्चे आगे बढ़ेंगे, तभी विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का सपना होगा पूरा

रायपुर (विश्व परिवार)। श्रमिक हमारे विकास की मजबूत नींव हैं। अपने परिश्रम से वे सड़कें, भवन, पुल और विकास की अनेक संरचनाएं खड़ी करते हैं। ऐसे श्रमिक परिवारों के बच्चों को अच्छी शिक्षा और जीवन में आगे बढ़ने के समान अवसर देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। श्रमिक परिवारों के बच्चे पढ़-लिखकर आगे बढ़ेंगे, अपने सपनों को पूरा करेंगे, तभी विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का संकल्प भी साकार होगा।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने योजना के अंतर्गत अध्ययनरत बच्चों से आत्मीय संवाद किया और शिक्षा, खेल, कला तथा सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं के अंतर्गत 1 लाख 45 हजार 841 श्रमिकों को 39 करोड़ 67 लाख रुपये से अधिक की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्रमिक परिवारों के बच्चों को आज व्यवस्थित यूनिफॉर्म में, आत्मविश्वास के साथ अंग्रेजी में संवाद करते और शिक्षा के साथ खेल तथा अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इन बच्चों का आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण है कि उचित अवसर और अच्छी शिक्षा मिले तो कोई भी परिस्थिति प्रतिभा को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती।

उन्होंने कहा कि अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना की शुरुआत पिछले वर्ष 100 बच्चों के साथ की गई थी। इस वर्ष इसका विस्तार करते हुए 200 बच्चों को योजना के अंतर्गत प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में शिक्षा का अवसर दिया गया है। प्रदेश के सभी 33 जिलों से चयनित प्रतिभावान बच्चे राजकुमार कॉलेज, दिल्ली पब्लिक स्कूल और रुंगटा पब्लिक स्कूल जैसे प्रतिष्ठित विद्यालयों में कक्षा 6वीं से 12वीं तक नि:शुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन विद्यालयों में अपने बच्चों को पढ़ाना कभी श्रमिक परिवारों के लिए कठिन सपना हुआ करता था, आज राज्य सरकार उस सपने को साकार कर रही है।

श्रमिकों के परिश्रम से खड़ी होती है विकास की मजबूत बुनियाद

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश और देश के निर्माण में श्रमिकों के योगदान को नमन करते हुए कहा कि शहरों की ऊंची इमारतों से लेकर गांवों की सड़कों तक और बड़े पुलों से लेकर विकास की अनेक अधोसंरचनाओं के पीछे श्रमिकों का परिश्रम है। सरकार का दायित्व है कि राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि सुनिश्चित की जाए।

जीके इलेक्ट्रिक ने किया एडवाइजरी बोर्ड का गठन

■ ऑटोमोबाइल जगत के दिग्गज श्री विजय चांदोरिकर और श्री अभिजीत जोशी का किया स्वागत

रायपुर (विश्व परिवार)। इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर निर्माण क्षेत्र की अग्रणी कंपनी जीके इलेक्ट्रिक ने अपने एडवाइजरी बोर्ड के गठन की आधिकारिक घोषणा की है। कंपनी ने ऑटोमोबाइल सेक्टर के दो बड़े और अनुभवी दिग्गजों, श्री विजय चांदोरिकर और श्री अभिजीत जोशी का संस्थापक सदस्यों के रूप में गर्मजोशी से स्वागत किया है।

जीके इलेक्ट्रिक के चेयरमैन श्री अमर पारवानी की अध्यक्षता में गठित यह बोर्ड, कंपनी के आगामी विस्तार, प्रोसेस डिसिप्लिन और लोकल मार्केट में स्थिति मजबूत करने के लिए मार्गदर्शन और विजन प्रदान करेगा।

श्री विजय चांदोरिकर के पास ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का 40 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे 'फिएट सुंदरम ऑटो फाइनेंस' के प्रेसिडेंट एवं सीईओ के रूप में ऑटो फाइनेंस कंपनियों का नेतृत्व कर चुके हैं तथा 'फिएट इंडिया' में सेल्स एवं मार्केटिंग डायरेक्टर की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। पिछले दो दशकों में उन्होंने भारत, मिडिल ईस्ट और दक्षिण-पूर्व एशिया में ऑटो मैन्युफैक्चरिंग जाएंट्स को बिजनेस मैनेजमेंट, कमर्शियल ऑपरेशंस और प्रॉफिटेबिलिटी बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन दिया है।

श्री अभिजीत जोशी को तीन दशकों से अधिक का ऑटोमोटिव अनुभव है। उन्होंने टाटा मोटर्स, फोर्ड इंडिया और फिएट इंडिया जैसे बड़े ऑटो ब्रांड्स में प्रमुख जिम्मेदारियां निभाई हैं। एम.एस. यूनिवर्सिटी, वडोदरा से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले श्री जोशी एक सफल ऑटोमोटिव कंसल्टिंग फर्म के को-फाउंडर भी रहे हैं, जिसका बाद में एक ग्लोबल कंसल्टेंसी ने अधिग्रहण कर लिया था। वर्तमान में वे 'लर्नटेक कंसल्टिंग' का संचालन कर रहे हैं, जो स्ट्रेटेजिक कैपेसिटी बिल्डिंग, प्रोसेस डिजाइन और सेल्स मैनेजमेंट पर केंद्रित है।

कंपनी नेतृत्व के विचार

हमारा परिवार पिछले छह दशकों से ऑटोमोबाइल बिज़नेस से जुड़ा हुआ है। हमने काम करते हुए प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस से बहुत कुछ सीखा है। जीके इलेक्ट्रिक की छत्तीसगढ़ से बाहर भी पहुंच व्यापक बनाने के लिए, तो हमें लगा कि हमें ऐसे दिग्गजों का मार्गदर्शन लेना चाहिए जिन्होंने बड़े-बड़े कारोबार खड़े किए हैं और उन्हें दिशा दी है। यही कारण है कि हमने इस एडवाइजरी बोर्ड का गठन किया है।

बैंक ग्राहकों को वित्तीय धोखाधड़ी एवं यूपीआई सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

■ थाना पंडरी एवं गुढ़ियारी क्षेत्र में लगभग 150 बैंक ग्राहकों एवं स्टाफ तक पहुंचा साइबर सुरक्षा का संदेश

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ पुलिस के साइबर जागृति अभियान के द्वितीय सप्ताह के तहत वित्तीय धोखाधड़ी एवं UPI फ्रॉड से बचाव के लिए बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों के माध्यम से आम नागरिकों को जागरूक करने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नॉर्थ जोन के थाना पंडरी एवं थाना गुढ़ियारी क्षेत्र के बैंकों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें लगभग 150 बैंक ग्राहकों एवं बैंक स्टाफ* को साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला (IPS) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित तुकाराम कांबले (IPS) के मार्गदर्शन में, पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन श्रीमती दीपमाला कश्यप एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन श्री आदित्य पांडे के नेतृत्व में नॉर्थ जोन पुलिस द्वारा विभिन्न बैंक प्रबंधन के समन्वय से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में थाना पंडरी क्षेत्र अंतर्गत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मोवा में लगभग 100 बैंक ग्राहकों एवं स्टाफ को साइबर फ्रॉड से बचाव, OTP, UPI PIN, CVV एवं बैंकिंग ट्रांजेक्शन से संबंधित धोखाधड़ी से बचने के उपायों की जानकारी दी गई।

थाना गुढ़ियारी क्षेत्र स्थित छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, पहाड़ी चौक में लगभग 50 बैंक ग्राहकों एवं स्टाफ को साइबर अपराधों से बचाव के तरीके बताए गए। उपस्थित नागरिकों को फर्जी लिंक, QR कोड, OTP एवं UPI से संबंधित धोखाधड़ी से सतर्क रहने तथा अपनी गोपनीय बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने की समझाइश दी गई।

फिटनेस, माइंडफुलनेस और कम्युनिटी बॉन्डिंग, अविनाश वन में शुरू हुआ 'क्लब वन'

■ अंशुका परवानी ने दिए सेहतमंद जीवन के टिप्स

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित एवं अग्रणी रियल एस्टेट समूह अविनाश ग्रुप ने अपने फ्लैगशिप लक्ज़री हाई-राइज डेवलपमेंट 'अविनाश वन' में एक्सक्लूसिव एवं अत्याधुनिक 'क्लब वन' का भव्य शुभारंभ किया। 'लिव, वर्क, प्ले और शॉप' की आधुनिक जीवनशैली की सोच पर विकसित इस प्रोजेक्ट में 'क्लब वन' की शुरुआत के साथ यहां रहने वालों के लिए वेलनेस, मनोरंजन और सामाजिक मेल-जोल का एक नया अध्याय जुड़ गया है।

शीर्ष नेतृत्व, पूरी टीम और बायर्स की रही मौजूदगी

इस भव्य उद्घाटन समारोह में अविनाश ग्रुप का शीर्ष नेतृत्व, पूरी टीम, प्रोजेक्ट के बायर्स और शहर के कई जाने माने नागरिक सपरिवार सम्मिलित हुए। समारोह के दौरान अविनाश ग्रुप के चेयरमैन श्री अरुण सिंघानिया, मैनेजिंग डायरेक्टर श्री आनंद सिंघानिया, डायरेक्टर श्री यश सिंघानिया, डायरेक्टर सेजल सिंघानिया, डायरेक्टर श्री प्रियंक सिंघानिया, डायरेक्टर श्री सौरभ अग्रवाल और डायरेक्टर श्री प्रतीक शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी डायरेक्टर्स और अविनाश ग्रुप की टीम के सदस्यों ने रेजीडेंट्स और विजिटर्स का भव्य स्वागत किया।

केवल एक क्लबहाउस नहीं, बल्कि समृद्ध जीवन का संकल्प: आनंद सिंघानिया

इस मौके पर अविनाश ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री आनंद सिंघानिया ने कहा: हमारा उद्देश्य हमेशा से केवल आवासीय भवनों का निर्माण करना नहीं, बल्कि एक सुरक्षित और खुशहाल कम्युनिटी की नींव रखना रहा है। 'क्लब वन' उसी सोच पर आधारित है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में मेंटल पीस, फिजिकल हेल्थ और फैमिली के साथ क्वालिटी टाइम सबसे अनमोल हैं। क्लब वन के जरिए हमने एक ऐसा वातावरण तैयार किया है जहाँ घर के बाहर कदम रखते ही निवासियों को विश्वस्तरीय वेलनेस, खेलकूद, मनोरंजन और सामाजिक जुड़ाव का संपूर्ण अनुभव मिल सके।

अंशुका परवानी के साथ 'रूटेड - ए क्यूरेटेड वेलनेस एक्सपीरियंस'

क्लब वन के इस ग्रैंड इनॉगरेशन को और अधिक खास व यादगार बनाया मुंबई की प्रसिद्ध सेलिब्रिटी योगा ट्रेनर एवं 'अंशुका योगा' की फाउंडर अंशुका परवानी ने। रेजीडेंट्स के लिए खास तौर पर डिजाइन किए गए वेलनेस प्रोग्राम 'रूटेड' को तीन प्रमुख भागों में प्रस्तुत किया गया।

अमरावती में शुभांगी आपटे को मिला नेशनल सोशल स्टार अवॉर्ड

रायपुर (विश्व परिवार)। पुण्यनगरी अमरावती में युवा कर्तव्य फाउंडेशन द्वारा 'लक्ष्यवेध कर्तव्य गौरव सम्मेलन 2026' का आयोजन श्री संत गाडगे बाबा समाधि मंदिर सभागृह में किया गया। गरिमामय समारोह में रायपुर की शुभांगी आपटे को सामाजिक कार्यों के लिए 'नेशनल सोशल स्टार अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया।

शुभांगी आपटे ने बताया कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें यह सम्मान परम आदरणीय पद्मश्री डॉ. रवींद्र कोल्हे (मेलघाट) के हाथों प्राप्त हुआ। समारोह में विभिन्न स्थानों से आए करीब 100 अवॉर्डी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर शुभांगी आपटे ने मंचस्थ अतिथियों को कपड़े की थैलियां और श्री हनुमान चालीसा भेंट की। उनके इस प्रयास की सभी ने सराहना की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता के उद्देश्य से कपड़े की थैलियों के वितरण का कार्य उनके लिए निरंतर प्रेरणा का विषय है।

श्रीकृष्ण मंदिर में मिला अप्रत्याशित सम्मान

अमरावती प्रवास के दौरान शुभांगी आपटे और उनके साथियों ने श्रीकृष्ण मंदिर देवस्थान में दर्शन किए। मंदिर में प्रसाद भी कपड़े की थैली में दिया जा रहा था। इस दौरान उन्होंने मंदिर के प्रमुख श्री पावडे जी को कपड़े की थैलियां वितरित करने के अपने अभियान के बारे में जानकारी दी।

शुभांगी के सामाजिक कार्यों से प्रभावित होकर मंदिर प्रबंधन ने भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष दोनों का सम्मान किया। उन्होंने इस सम्मान को अपने लिए बेहद विशेष और अप्रत्याशित बताया।

उन्होंने कहा कि मान्यता है कि इसी स्थान पर भगवान श्रीकृष्ण रुक्मिणी हरण के समय तीन दिन रुके थे। ऐसे पवित्र स्थान पर भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष सम्मान मिलना उनके जीवन के अब तक के सबसे बड़े और यादगार सम्मानों में से एक है।

भाजपा के कुशासन में भ्रष्टाचार ही विकास है : दीपक बैज

■ शहरों से लेकर तक गांव सड़कों के गढ्डे तालाब बन चुके, नए पुल पुलियों के स्लैब गिर रहे

रायपुर (विश्व परिवार)। पूरे प्रदेश में सड़कों की बदहाल स्थिति के लिए भाजपा की सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि सड़कों को प्रदेश के विकास की धमनी कहा जाता है, सरकार नई सड़के तो बना नहीं पा रही, पुराने सड़कों की मरम्मत जो नियमित प्रक्रिया है, वह भी पूरी तरह बंद है। छत्तीसगढ़ में साय सरकार का आधे से अधिक कार्यकाल गुजर चुका है लेकिन अभी तक केवल मंजूरी और स्वीकृति के फर्जी दावे से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। भाजपा के कुशासन में केवल भ्रष्टाचार का ही विकास हुआ है, सड़कों के रखरखाव के जिम्मेदार अधिकारी मंत्रियों के परिजनों की तेरही के बंदोबस्त में रहे, आम जनता टैक्स चुकाकर भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। भाजपा के कुशासन में भ्रष्टाचार ही विकास है। शहरों से लेकर गांव सड़कों के गड्ढे तालाब बन चुके, नए पुल-पुलियों के स्लैब गिर रहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि विगत ढ़ाई साल में हजारों करोड़ पीडब्लूडी को बजट आबंटन किया गया जब सड़के बदहाल हैं तो यह राशि आखिर गई कहां? जो भी नए सड़क पुल पुलिया बने भी वे उद्घाटन से पहले या ठीक बाद ही जर्जर हो गए।

अवैध कब्जे कारण क्षेत्र में जलभराव की स्थिति निर्मित

रायपुर। राजधानी के शंकर नगर कविता नगर, गायत्री नगर, सेल्टेक्स कॉलोनी, भावना नगर में क्षेत्र में लगातार हो रहे अवैध कब्जे के कारण जल भराव की स्थिति निर्मित हो गई है। जिससे क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश है। लगातार बढ़ते अवैध कब्जे को लेकर लोगों का कहना है कि प्रशासन इस पर कार्रवाई करने में ढील बरत रही है, जिसके कारण रसूखदार लोगों के हैसले बुलंद हो गए हैं। नालों पर सृष्टि अपायर प्राइवेट कॉलोनी का निर्माण हुआ है जिससे बड़े नाले का आकर छोटे नाली के रूप में बदल गया है। नाले का स्वरूप भी टेढ़ा-मेढ़ा होकर काफी छोटा हो गया है। क्षेत्र के पार्षद पुष्पा रोहित साहू सहित क्षेत्र के लोगों ने इस पर प्रशासन से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

राहुल गांधी भारत की संस्कृति, सभ्यता और विरासत का अपमान कर रहे हैं : संतोष पांडेय

■ भाजपा सांसद संतोष पांडेय ने राहुल गांधी के बयान पर किया पलटवार

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के नेता भारत की संस्कृति, सभ्यता और विरासत का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी देश की जनता को लगातार भ्रमित करने का काम करते है। श्री पांडेय ने कहा, राहुल गांधी को, उनके सैम अंकल और क्वात्रोची मामा ने ज्ञान नहीं दिया कि भारत में कितनी महिला मुख्यमंत्री रही हैं।

भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद श्री पांडेय ने बताया कि सुचेता कृपलानी उत्तर प्रदेश, नंदिनी सतपथी ओडिशा, शशिकला काकोदकर गोवा, सैयदा अनवरा तैमूर असम, एन. जानकी रामचंद्रन एवं जयललिता तमिलनाडु, मायावती उत्तर प्रदेश, राजिंदर कौर भट्ठल पंजाब, राबड़ी देवी बिहार, सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित दिल्ली, उमा भारती मध्यप्रदेश, वसुंधरा राजे राजस्थान, ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल, आनंदीबेन पटेल गुजरात, महबूबा मुफ्ती जम्मू कश्मीर, रेखा गुप्ता दिल्ली से मुख्यमंत्री बनी हैं।

सकल दिगंबर जैन समाज रायपुर के अध्यक्ष बने संजय नायक

रायपुर (विश्व परिवार)। मालवीय रोड स्थित श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर परिसर में सकल दिगंबर जैन समाज रायपुर के अध्यक्ष पद का चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ। समाज के निवर्तमान अध्यक्ष विनोद बड़जात्या के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में शहर के विभिन्न दिगंबर जैन मंदिरों के अध्यक्ष और समाज के प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए। सभी की सहमति से संजय नायक को सकल दिगंबर जैन समाज रायपुर का नया अध्यक्ष चुना गया।

संजय नायक वर्तमान में मालवीय रोड स्थित श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर के अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। समाज के प्रति उनकी सक्रियता, सेवा भावना और संगठनात्मक कार्यों को देखते हुए बैठक में मौजूद सदस्यों ने उनके नाम पर सर्वसम्मति जताई। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद निवर्तमान अध्यक्ष विनोद बड़जात्या ने उन्हें एक वर्ष के अध्यक्षीय कार्यकाल के लिए विधिवत कार्यभार सौंपा और शुभकामनाएं दीं।

धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर जोर

नवनियुक्त अध्यक्ष संजय नायक ने समाज के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के सभी मंदिरों और संस्थाओं को साथ लेकर एकजुटता के साथ धार्मिक, सामाजिक और सेवा गतिविधियों को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

इस अवसर पर समाजजनों ने नवनियुक्त अध्यक्ष का स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। सदस्यों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में सकल दिगंबर जैन समाज रायपुर की सामाजिक, धार्मिक और सेवा गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

शोक संदेश

सुरेंद्र जैन बाकलीवाल

रायपुर। शंकर नगर निवासी सुरेंद्र बाकलीवाल (सुपुत्र: स्व. मूलचंद बाकलीवाल, जैन) का निधन दिनांक 24.08.2026 को मध्य रात्रि में हो गया है। उनका अंतिम संस्कार प्रात: 11 बजे देवेन्द्र नगर मुक्ति धाम में किया गया. वे आई. बी.सी. चैनल के सीनियर संवाददाता स्टार जैन एवं अनंत जैन के पिता थे। उनकी स्वयं की इच्छानुसार मरणोपरांत उनके नेत्रों को दान किया गया। दैनिक विश्व परिवार श्री सुरेंद्र जैन जी को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया 'जशपुर : एक परिचय' पुस्तक का विमोचन

■ जशपुर की विशिष्ट पहचान और विकास की संभावनाओं को देश-दुनिया के सामने लाने में उपयोगी सिद्ध होगा प्रकाशन : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान दिल्ली के द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'जशपुर : एक परिचय' का विमोचन किया। यह पुस्तक जशपुर जिले के इतिहास, प्रशासनिक विकास, सुशासन की व्यवस्थाओं, सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन, जनजातीय संस्कृति, प्राकृतिक संपदा और विकास की संभावनाओं पर केंद्रित एक व्यापक अध्ययन है। पुस्तक में आजादी के बाद से जशपुर की प्रशासनिक व्यवस्था में आए बदलावों के साथ वर्तमान प्रशासनिक संस्थाओं और कार्यप्रणाली का अध्ययन किया गया है। इस अवसर पर भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा रायपुर के चेयरमैन भूतपूर्व मुख्य सचिव श्री सुयोग्य कुमार मिश्रा, वाइस चेयरमैन भूतपूर्व अपर मुख्य सचिव डॉ. इंदिरा मिश्रा तथा वाइस चेयरमैन भूतपूर्व मुख्य सचिव तथा वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस महत्वपूर्ण प्रकाशन के लिए भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा को बधाई देते हुए कहा कि जशपुर छत्तीसगढ़ के उन विशिष्ट अंचलों में है, जहां प्रकृति, संस्कृति और परंपराओं की समृद्ध विरासत के साथ विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। जशपुर की पहचान उसके सुंदर पहाड़ों, घाटियों, नदियों, जलप्रपातों और घने वनों से तो है ही, यहां की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराएं इसे विशिष्ट बनाती हैं। उन्होंने कहा कि जशपुर की इन विशेषताओं के साथ जिले की विकास यात्रा और प्रशासनिक अनुभवों को एक पुस्तक के रूप में समेटना सराहनीय प्रयास है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354